चुने हुए फिल्मी
धार्मिक गीत
और
प्रचलित भजन

अनुक्रम

श्री कृष्ण भक्ति गीत

श्री राम भक्ति के गीत

श्री दुर्गा भक्ति के गीत

श्री शिव भक्ति के गीत

श्री गंगा भक्ति के गीत

विभिन्न भक्ति गीत

कुछ प्रचलित भक्ति गीत

श्री कृष्ण भक्ति गीत

सुन ले पुकार, आई आज तेरे द्वार

फिल्म : फूल और पत्थर

सुन ले पुकार, आई आज तेरे द्वार,
ले के आँसुओं की धार मोरे सांवरे, सुन ले पुकार
विनती करूँ, मैं तोसे जग के खिवैया
डूब न जाए मेरी आशा की नैया
किसको दिखाऊँ जाके दर्द मैं अपना
कोई नहीं है मेरा कृष्ण कन्हैया, सुन ले पुकार
मैंने प्रभु आज तक कुछ नहीं माँगा
आज तू दान दे दे अपनी दया का
बदले में चाहे मेरी जान भी ले ले
बचा ले सहारा दाता इस दुखिया का, सुन ले पुकार
तूने जो मेरे दिल की ज्योति बुझाई
ओ दुनिया वाले होगी तेरी हँसाई
ऐसी भलाई का बदला मिलेगा
अभी न मिटेगी तेरे जग से बुराई, सुन ले पुकार

श्याम तेरी बंशी पुकारे राधा नाम

फिल्म : गीत गाता चल

श्याम तेरी बंशी पुकारे राधा नाम
लोग करे मीरा को यूँ ही बदनाम

सांवरे की बंशी को बजने से काम
राधा का भी श्याम वो तो मीरा का भी श्याम

जमुना की लहरें बंशी वट की छईयाँ
किसका नहीं है कहो कृष्ण कन्हैया
है श्याम का दीवाना तो सारा ब्रजधाम

कौन जाने बाँसुरिया किसको बुलाये
जिसके मन भाये वो उसी के गुण गाये
कौन नहीं बंशी की धुन का गुलाम
श्याम तेरी बंशी पुकारे राधा नाम

लोग करें मीरा को यूँ ही बदनाम
सांवरे की बंशी को बजने से काम
राधा का भी श्याम वो तो मीरा का भी श्याम

मेरी सुनले अरज बनवारी

फिल्म : आँखें

मेरी सुनले अरज बनवारी, तेरे द्वार खड़ी दुखियारी
आर न सूझे पार न सूझे, अब कोई दूजा द्वार न सूझे
कौन ठिकाने जाऊँ प्रभु मैं, छोड़ के शरण तिहारी
मेरी सुनले अरज बनवारी...

छिन गया मेरी आँख का मोती, खो गई इन नैनन की ज्योति
तेरे जगत में भटक रही हूँ मैं ममता की मारी
तेरे द्वार खड़ी दुखियारी, मेरी सुनले अरज बनवारी

वृन्दावन का कृष्ण कन्हैया

फिल्म : मिस मेरी

वृन्दावन का कृष्ण कन्हैया सबकी आँखों का तारा
मन-ही-मन क्यों जले राधिका, मोहन तो है सब का प्यारा
वृन्दावन का...

जमुना तट पर नन्द का लाला जब-जब रास रचाये रे
तन-मन डोले कान्हा ऐसी बंशी मधुर बजाये रे
सुध-बुध खोए खड़ी गोपियाँ जाने कैसा जादू डारा
वृन्दावन का...

रंग सलोना ऐसा जैसे छाई बदरिया सावन की
ऐरी मैं तो हुई दीवानी सावन के मनभावन की
तेरे कारण देख बावरे छोड़ दिया मैंने जग सारा
वृन्दावन का...

मेरी पत रखियो गिरधारी

फिल्म : घूंघट

मेरी पत रखियो गिरधारी, मैं आई शरण तिहारी
छोड़ तुम्हारा द्वारा प्रभु जी, किसके द्वारे जाऊँ
तुम बिन मेरा कौन सहारा किसकी आस लगाऊँ
हे बोलो कृष्ण मुरारी, मेरी पत...

देखो बीच भंवर में मेरी डूब रही है नैया
चारों ओर है घोर अन्धेरा कोई नहीं है खिवैया
तूफान उठा है भारी मुझे शक्ति दो गिरधारी

मेरी लाज राखो गिरधारी

फिल्म : भाभी की चूड़ियाँ

मेरी लाज राखो गिरधारी मैं लाख जतन कर हारी रे मेरी...
बहुत सहा अब सहा न जाए और किसी से कहा न जाए
चरणों में दो अश्रु चढ़ाने आई शरण तिहारी, मेरी...
सूनी कोख कलंक बन गई मधुर दृष्टि क्यों डंक बन गई
क्यों माँ का मन दिया मुझे आँचल में चिनगारी, मेरी...
चिरंजीव नन्हा कन्हैया रहे शीश पर सुख की छैया
मैं न रहूँ पर रहे खेलता घर आँगन बनवारी, मेरी...

अँखिया श्याम मिलन को प्यासी

फिल्म : मीरा श्याम

अँखिया श्याम मिलन को प्यासी, श्याम मिलन को प्यासी
प्रेम बेल हरि चरण लिपटी चरण कमल अविनाशी
तुम्हीं द्वारिकाधीश तुम्हीं हरि वृन्दावन के वासी
काल कर्म काया माया सब सिमट गई छाया-सी
टेर बनी मोहन मुरली में मीरा श्याम की दासी
हरि सब में सब में हरि में देखे कटे फन्द चौरासी
श्याम तुम्हारे द्वार पुकारूँ काटो जम की फाँसी

शाम ढले जमना किनारे

फिल्म : पुष्पाँजलि

शाम ढले जमना किनारे, किनारे
आजा राधे आजा तोहे श्याम पुकारे
कभी रुके कभी चले राधा चोरी-चोरी
पिया कहे आ जिया कहे नहीं गोरी शाम ढले...
राधा शरमाये, मनवा घबराये
पनिया भरने को जाये न जाये हैया, हो-हो-हो
खड़ी सोये ब्रजवाला ब्रज में है होरी
कान्हा रंग देंगे तोहे हाय बरजोरी।
लोग करेंगे रे इशारे आजा राधे आजा...
कोई कहे श्याम से बाँसुरी बजाये
चैन किसी का जो चितचोर न चुराये
डगमग डोले जियां की नैय्या
चले जब पुरवैया छेड़े बंसी कन्हैया
नैनन की डोरी सोये सारा जग, जागे एक चकोरी
रात कटे गिन-गिन तारे-तारे आजा राधे आजा...
पनघट पे सखियाँ करती है बतियाँ
मोहन से लागी राधा की अँखियाँ
जो भी मिले यही पूछे सुन ओ किशोरी

बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया

फिल्म : अमर प्रेम

बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया
का करे यशोदा मैया हो, बड़ा नटखट है...
ढूँढे री अँखियाँ उसे चहूँ ओर
जाने कहाँ छिप गया नन्दकिशोर
उड़ गयो ऐसे जैसे पुरवैया
का करे यशोदा मैया हो, बड़ा नटखट है...
आ तोहे मैं गले से लगा लूँ
लागे न किसी की नजर मन में छुपा लूँ
धूप जगत है रे ममता है छय्या
का करे यशोदा मैया हो, बड़ा नटखट है...
मेरे जीवन का तू एक ही सपना
जो कोई देखे तोहे समझे वो अपना
सबका है प्यारा हाँ सबका है प्यारा बंसी बजैया
का करे यशोदा मैया, मैया रे हो
का करे यशोदा मैया हो, बड़ा नटखट है रे

न मैं जानूं आरती वन्दन

फिल्म : मीरा श्याम

न मैं जानूं आरती वन्दन, न पूजा की रीत
है अन्जानी दरस दीवानी, मेरी पागल प्रीत
लिए री मैंने दो नयनों के दीपक लिए जलाए

ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी मेरा दर्द न जाने कोय...
ऐ री मैं तो...
आशा के फूलों की माला, साँसों के संगीत
इन पर फूल चली बिछाने, अपने मन का मीत
लिए री मैंने नयन डोर में सपने लिए पिरोए
ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी मेरा दर्द न जाने कोय...
दिल डूबा तारे मुरझाए सिसक-सिसक गई रैन
बैठी सूना पंथ निहारूँ झर-झर बरसत नैन
दुनिया के सब सपने जागे भाग हमारा सोये
ऐ बेदर्दी जीवन बाती पल-पल व्याकुल होय
ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी मेरा दर्द न जाने कोय...
माँग सिंदूर लपट बिन जागे, लगी अगन चहुं ओर
रूठ गई हाथों की मेंहदी, टूटी मन की डोर
मेरो मनमोहन आयो न सखी रो-रो नैना खोए
घायल की गति घायल जाने कि जिन लागी होय
ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी मेरो दर्द न जाने कोय...

यशोमती मैया से बोले नन्दलाला

फिल्म : सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

यशोमती मैया से बोले नन्दलाला
राधा क्यों गोरी मैं क्यों काला
बोली मुस्काती मैया, ललन को बताया
कारी अंधियारी आधी रात में तू आया
लाडला कन्हैया मेरा काली कमली वाला, इसलिए काला

बोली मुस्काती मैया सुन मेरे प्यारे
गोरी-गोरी राधिका के नैन कजरारे
काले नैनों वाली ने ऐसा जादू डाला, इसलिए काला

जय जय कृष्ण दरस दिखा दे

फिल्म : विदाई

जय-जय कृष्णा दरस दिखा दे
मिट जाए तृष्णा,जय जय कृष्णा
सुबह पुकारूँ शाम पुकारूँ हर पल तुम्हारा नाम पुकारूँ
नाम तुम्हारा मोहे प्यारा इतना, जय-जय कृष्णा···
जब-जब डोले जीवन नैया, तब तब तुम बन जाओ खिवैया···
दूर है धारा से किनारा कितना, जय-जय कृष्णा

राधा गोरी गोविन्दा है काला

फिल्म : नूर महल

राधा गोरी गोविन्दा है काला न्यारा झाला रे झाला···
राधा को कहें राधा की सखियाँ
गोरी काहे छिपाई हमसे बतियाँ
प्यार कैसा हुआ ये बता दे जरा
कब अन्धेरे में देखा उजाला रे···
इसको छेड़ा धर खटपट की
खाया माखन कहीं फोड़ी मटकी
देख ले तू भी आ माँ यशोदा जरा

राह चलने न दे तेरा लाला···
राधा गोरी गोविन्दा है काला रे प्यारा झाला रे झाला···
बृज में खेलत है होली रंग में डूबी है राधा भोली
सामने जो गया उससे न बचा
बड़ा नटखट है वो मुरली वाला
नाम उसके गाये सब जमाना
श्याम गिरधारी गोविन्दा कान्हा···
मन को चैन आये ना उसके देखे बिना
ऐसा जादू है उसने डाला···

घनश्याम-घनश्याम श्याम श्याम रे

फिल्म : अपना हाथ जगन्नाथ

घनश्याम-घनश्याम श्याम श्याम रे
बंशी की तान सुना बने मोरा काम रे, घनश्याम-घनश्याम···
दुःख का सागर गम की धारा, डगमग नैया दूर किनारा
नैया खिवैया बिन मोरी डोले
अंसुवन में खाता है जीवन झकोले
छोटी सी जान बचा बड़ा तेरा नाम रे, घनश्याम-घनश्याम···
द्रोपदी को दिया सहारा, महाबली को तूने तारा
आ के अहिल्या को मुक्ति दिलाई, प्रहलाद की जान तूने बचाई
भक्तों के हाथ सदा बिका दाम रे, घनश्याम-घनश्याम···

छोड़ो जी छोड़ो जी

फिल्म : बहार

छोड़ो जी छोड़ो जी छोड़ो जी कन्हैया कलैयाँ हमार
छोड़ो जी छोड़ो जी छोड़ो जी हाथ में देखे मैया हमार
नटखट हटीले छैल छबीले पकड़ो हमारी बैया
लाज की मारी तुमसे मैं हारी लो जी पड़ूँ तोरे पैया
जाओ जी जाओ जी जाओ जी लो न बलैयां हमार, छोड़ो
अच्छी नहीं ये बतियाँ छिछोरी काहे करो जोरा जोरी
छोटी ननदिया देवेगी ताना खींचो न चुनरिया मोरी
तोड़ो न तोड़ो न तोड़ो जी पतली कलैयाँ हमार छोड़ो जी
चलती डगरिया बीच बजरिया छेड़ो न छेड़ो संवरिया
मानो न मानो ऐसी जानो मैं हूँ तुम्हारी बावरिया
आना जी आना जी आना जी आज गलैया हमार
छोड़ो जी···

मधुकर श्याम हमारे चोर

फिल्म : सूरदास

मधुकर श्याम हमारे चोर, मधुकर श्याम
मन हर लीना माधुरी मूरत निरख नैन की खोर, श्याम
सर पे जाके मुकुट सुहावे माथे तिलक नैन कजरारे
मुख सुन्दर ज्यों मोरा श्याम हमारे चोर, मधुकर
सूरदास के चोर कन्हैया मनमोहन मुरली के बजैया
नटखट नन्द किशोर चोर श्याम हमारे चोर, मधुकर

सखी री

फिल्म : प्यासा

सखी री!
बिरहा के दुख सह-सहकर जब राधे बेसुध होली
तो एक दिन अपने मनमोहन से आकर यूँ बोली
आज सजन मोहे अंग लगा लो जन्म सफल हो जाए
हदय की पीड़ा देह की अग्नि सब शीतल हो जाए
आज सजन मोहे अंग लगा लो···
किए लाख जतन मोरे मन की तपन
मोरे तन की जलन नहीं जाए
कैसी लगी यह लगन, कैसी जागी यह अगन
जीया धीर धरन नहीं पावे
प्रेम सुधा मोरे सांवरिया, सांवरिया
प्रेम सुधा इतनी बरसा दो, जग जल थल हो जावे
आज सजन मोहे अंग लगा लो मोहे अपना बनालो
मोरी बाँह पकड़ मैं हूँ जन्म-जन्म की दासी
मोरी प्यास बुझा दो मनहर गिरधर
मैं हूँ अन्तर घट तक प्यासी
प्रेम सुधा मोरे सांवरिया, सांवरिया
प्रेम सुधा इतनी बरसा दो जग जल-थल हो जाए
आज सजन मोहे अंग लगा लो···
कई जुग से हैं जागे मेरे नैन अभागे
कहीं जिया न लागे बिन तोरे
सुख दीखे नहीं आगे दुःख पीछे-पीछे भागे

जग सूना-सूना लागे बिन तोरे
प्रेम सुधा मोरे सांवरिया, सांवरिया
प्रेम सुधा इतनी बरसा दो जग जल थल हो जाये
आज सजन मोहे अंग लगा लो…
मोहे अपना बना लो
मोरी बाँह पकड़ मैं हूँ जन्म-जन्म की दासी
मेरी प्यास बुझा दो मनहर गिरधर प्यास बुझा दो।
मैं हूँ अन्तर घट की प्यासी
प्रेम सुधा मोरे सांवरिया, सांवरिया
प्रेम सुधा इतनी बरसा दो जग जल थल हो जाए
आज सजन मोहे अंग लगा लो…

ओ मोहन मुरली वाले

फिल्म : श्री गणेश महिमा

ओ मोहन मुरली वाले राखो लाज हमारी
अब राखो लाज हमारी, ओ मोहन
मन में आग लगा के अँखियाँ निस-दिन नीर बहाये
आँसू की एक बूँद में मेरे सपने बह न जायें
ओ मोह मुरली वाले आई शरण तिहारी
अब राखो लाज हमारी, ओ मोहन…
डूब रही है नैया मेरी तुम ही पार लगाओ
उमड़ रही है दुख की लहरें आओ भगवन् आओ
ओ मोहन मुरली वाले छाई बदरिया कारी
अब राखो लाज हमारी, मोहन…

राधा ना बोले ना बोले ना बोले रे

फिल्म : आज़ाद

राधा ना बोले ना बोले ना बोले-2
घूँघट के पट ना खोले रे, राधा…
राधा की लाज भरी अँखियों के डोरे
देखो जी देखें सब गोकुल के छोरे
देखो मोहन का मनवा डोले रे राधा
बात करो जमुना किनारे सांवरिया
फोड़ी थी राधा काहे गगरिया
इस कारण न तुम संग बोले रे, राधा…
खड़ी हुई यू न मानूँगी छलिया
चरणों में राधा के रख दो मुरलिया
बात बन जायेगी हौले-हौले रे, राधा…

जय हरि गोविन्द

फिल्म : चरस

जय हरि गोविन्द जय गोपाल जय गोपाल जय गोपाल
गोविन्दा…गोपाल…
मेरे तो से नैना पूछे बोलो जगत की माया
कित जाए वो नैना गोविन्दा…
छोड़ दिया जिसको मांझी ने,
कित जाये वो नैना गोविन्दा…
तेरे मन्दिर आयी लेके अंसुवन की माला

तेरे होते लुट गई मैं तू कैसा रखवाला
कितने फूल थे इस आँचल में
बिखर गए जो इक ही पल में
ले गई इतनी दूर पिया को ये बैरन पुरवैया
छोड़ दिया जिसको मांझी ने
कित जाये वो नैया गोविन्दा…
ढूँढ के लाये जो पी को किसको परदेश में भेजूँ
कित जाओ किसका हाथों मन का संदेश मैं भेजूँ
सगरी दुःख मैं देख अकेली समझ न आई एक पहेली
भूल गया कैसे राधा की प्रीत की गीत कन्हैया
छोड़ दिया जिसको माँझी ने,
कित जाए वो नैया गोविन्दा…

मेरा नन्हा कन्हैया घर आया रे

फिल्म : भाभी की चूड़ियाँ

मेरा नन्हा कन्हैया घर आया रे, जिया सहज हर्षाया रे
आज गगन में चन्दा दीखा, आज फूल ने हँसना सीखा
दीप से दीप जले आशा के, घर आँगन मन भाया रे, मेरा…
मुस्काता जब श्याम सलोना, हँसता घर का कोना-कोना
पुलकित तन है पुलकित मन है, आँचल मेरा लहराया, मेरा…
घुटनों के बल चले छबीला, आँचल पकड़े कभी हठीला
लाल लाडले तुझको पाकर, मैंने सब कुछ पाया रे, मेरा…
तू वसन्त तू शरद सुहावत, तू फागुन है तू ही सावन
हरि के वरदानों की तुझ पर, रहे सुशीतल छाया रे रे, मेरा…

ओ कन्हैया ओ कन्हैया

फिल्म : नव बहार

ओ कन्हैया ओ कन्हैया आज आना ख्याल में
अपनी राधा को गले से तू लगाना ख्वाब में, ओ कन्हैया…
नयन हमारे तेरा मन्दिर और यह दिल आरती
लेय गई है दिल हमारा तेरी सूरत सांवरी
कह रही है गुनगुनाकर मन की कोयल बावरी, ओ कन्हैया…
जब सुहानी शाम आये, याद आये श्याम की…
जप रही हूँ प्रेम की माला मैं तुम्हारे नाम की, ओ कन्हैया…
तुम नहीं तो मेरी व्याकुल जिन्दगी किस काम की, ओ कन्हैया…

बड़े भोले हो हँसते हो

फिल्म : अर्धांगिनी

बड़े भोले हो हँसते हो
सुनके दुहाई, कन्हाई कन्हाई, बड़े भोले हो…
भागा है जग मेरी काया से दूर
तन मन मेरा सबकी ठोकर से चूर
फिर से तुम्हारे दर पे आई, सुनके…
जलते आँसू भीगे नयनों का हाल
देखा तो है सब कुछ तुमने गोपाल
फिर भी तुम्हारी अँखियाँ हैं क्यों मुस्काई, सुनके…
कित जाऊँ मैं मुख भी खोलो जरा
चोर बनके चुप क्यों हो बोले जरा
अच्छी मैं बंशी की ओट लगाई, सुनके…

कान्हा छेड़ो बाँसुरी

फिल्म : सावन

कान्हा छेड़ो बाँसुरी कन्हैया छेड़ो बाँसुरी
नाचे राधा बावरी झूम-झूम के, कान्हा...
सुन-सुन मुरली प्यारी दौड़ी-दौड़ी आऊँ रे
तन भी डोले मन भी डोले बेसुध सी हो जाऊँ रे
कजरा भूला गजरा भूला कुछ ऐसी खो जाऊँ रे, कान्हा
सात सुरों ने जाल बिछाया फँस गई मेरी जान रे
चीर कलेजा जाय. फिर भी मीठी लागे तान रे
हो गई घायल मेरी पायल फिर भी नीचे प्राण रे, कान्हा
मान भी जाओ लो हारी अब तो न तरसाओ जी
अपने बस में करके मेरे मन को न तड़पाओ जी
मुरली बाजे गोरी साजे रसिया रास रचायो जी, कान्हा

ज्योति कलश छलके

फिल्म : भाभी की चूड़ियाँ

ज्योति कलश छलके
हुए गुलाबी लाल सुनहरे रंग दल बादल के
ज्योति कलश छलके
घर आँगन बन उपवन करती ज्योति अमृत से सिंचन
मंगल घट ढलके, ज्योति कलश छलके...
अम्बर कुंकुम कण बरसाए, फूल पंखुरियों पर मुस्काए
बिन्दु तुहिन जलके, ज्योति कलश छलके...

पात पात बिरवा हरियाला धरती का मुख हुआ उजाला
सच सपने कलके, ज्योति कलश छलके...
ऊषा ने आँचल फैलाया, फैली सुख की शीतल छाया
नीचे आँचल के, ज्योति कलश छलके...
ज्योति यशोदा धरती मैया, नीलगगन गोपाल कन्हैया
श्यामल छवि छलके, ज्योति कलश छलके...

मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो

फिल्म : गोकुल का चोर

मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो
माखन है ही कहाँ गोकुल में जो ले हूँ मैं खा पायो
सुनके दु:ख पाया, मैं नहीं माखन...
नीर पिये पंछी के मैया दरिया सूख न पाये
पर व्याकुल हो प्यास से पंछी तट पे शोर मचाये
ओ आग लगी है जल के मांही देख के मैं भरमायो
देख के मैं भरमायो, मैं नहीं माखन...
हंस को रूप लियो कागा ने माखन मोती खाय
चंचल मोहिनी माया सबको पग-पग रही नचाय
हो पायल की झंकार में मैया बाल विलाप छुपायो
मै नहीं माखन...

कन्हैया-कन्हैया तुझे आना पड़ेगा

फिल्म : मालिक

कन्हैया-कन्हैया तुझे आना पड़ेगा
वचन गीता वाला निभाना पड़ेगा
गोकुल में आया मथुरा में आया
छवि प्यारी प्यारी कहीं तो दिखा
अरे सांवरे देख आके जरा
सूनी सूनी पड़ी है तेरी द्वारिका, कन्हैया तुझे...
जमुना के पानी में हलचल नहीं
मधुवन में पहला सा जलथल नहीं
वही कुंज गलियाँ वही गोपियाँ
छलकती मगर कोई छागल नहीं, कन्हैया तुझे...
कोई तेरी मैया का वाली नहीं
अमानत ये तेरी सँभाली नहीं
कई कंस भारत में पैदा हुए, कन्हैया तुझे...
हरे कृष्णा हरे मुरारी जय जय गोवर्धन गिरधारी

मोहे न मारो कान्ह मुस्कानों के बान

फिल्म : मानवता

मोहे न मारो कान्ह मुस्कानों के बान
देखो जमना तट पर और पनघट पर
नटखट की लड़कैयाँ...
मटकी फोड़े माला तोड़े फिर डाले गलबैयाँ

मैं नहीं बोलूँगी जा नहीं बोलूँगी, हट छोड़ दे मोरी बैयाँ,
मोहे न मारो...
लगन लगाये तन अगन जलाये तोरी मन्द मन्द मुस्कान
मोहे न मारो...
दो दमड़ी की मुरली तुम्हारी मोरी हीरे जड़ी है चोली
क्या जोड़ी हमारी तुम्हारी काहे तोरी नीयत डोली
कान्हा काहे को दिखाओ झूठी आन बान, मोहे न मारो...
तोरे नयना रसीले कुछ बोले ऐसी बोली
तूने जिस पे नजरिया डाली वही तेरी दीवानी होली
छलिया ओ छलिया, मोहे न मारो...

गिरधारी मेरे दर्शन प्यासे नैन

फिल्मी : कारीगर

गिरधारी मेरे दर्शन प्यासे नैन
तोरे द्वारे गिर गिन तारे बाट तकत कटी रैन
मैं पगली मीरा मेरा जीवन सांवरिया छबि तोरी
निर्मोही बोली कब आकार तुम लोगे सुधना
तुम बिन बेकल पापी मनवा पावत नाहीं चैन
सांझ सवेरे जप जप हारी नाम की तेरे माला
श्याम रंग तोरा मुखड़ा था क्या मन भी हो गया काला
दरस दिखा दे आस बंधा दे विनती करूँ दिन रैन
तुम ही दाता तुम ही पालक तुम ही सबके साईं
तुम ही आँख चुरालो तो फिर कौन मेरा जगमाई

तुम ना सुनो तो कौन सुनेगा दुखियारी के बैन
गिरधारी मेरे दर्शन प्यासे नैन···

आन मिलो आन मिलो श्याम सांवरे

फिल्म : देवदास

आन मिलो आन मिलो श्याम सांवरे
ब्रज में अकेली राधे खोई-खोई फिरे
आन मिलो, आन मिलो···

वृन्दावन की गलियन में तुम बिन जियरा न लागे
निस दिन तुम्हारी बाट निहारे व्याकुल नैन अभागे
अब ही ऐसी दशा मन की, का होयी है फिर आगे रे
ब्रज में अकेली राधे खोई-खोई फिरे
कान्हा आन मिलो आन मिलो···

आज न काहे जमना तीरे मुरली मधुर बजाई
आज न काहे सखियन संग हिल-मिल रास रचाई
हमरा आँगन छोड़ के तोहे कौन नगरिया भाई रे
ब्रज में अकेली राधे खोई खोई फिरे
कान्हा आन मिलो, आन मिलो···

अजहू न जो भेजी मोहन तैने कोई खबरिया
हो जइये इक ब्रज की बाला रो-रोकर बावरिया
धीर बंधा जा मुख दिखलाजा नटनागर सांवरिया रे
ब्रज में अकेली राधा खोई-खोई फिरे
आन मिलो, आन मिलो···

शाम भई घनश्याम न आये

फिल्म : महाकवि कालीदास

शाम भई घनश्याम न आये
सबके काम बनाते फिरते, मुझ दुखिया के काम न आये
तार मिलन के टूट गया क्यों, मुझसे मेरे रूठ गए क्यों
नगर-नगर वो फिरे घूमते मेरे गोकुल गाँव न आये
मन में आग नयनों में पानी किसको सुनाऊँ दुःख की कहानी
मैं रोऊँ और हँसती है दुनिया करके मुझे बदनाम न आये
पथ हेरत पथराई अँखियाँ मुरझाई पलकों की पंखिया
मैं विरहन मीरा सी व्याकुल, जिनके राजा राम न आये

सखी कैसे धरूँ मैं धीर

फिल्म : संगीत सम्राट तानसेन

सखी कैसे धरूँ मैं धीर हाय री मेरे अब लो श्याम न आये
बहे नैनों से निस दिन नीर हाय री मेरे अब लो
श्याम न आये

घिरघिर श्याम घटा लहराये बेदर्दी की याद दिलाये
उस बिन मुरली कौन सुनाये ठाड़ी रोऊँ मैं यमुना के तीर
हाय री तेरे अब लो श्याम न आये
जीय करे जोगन बन जाऊँ, जैसे बने उन्हें ढूँढ के लाऊँ
वो न मिले तो बिरज में जाऊँ, कहीं रस्ते में तज दूँ शरीर
हायरी मेरे अब लो श्याम न आये सखी कैसे धरूँ मैं धीर

मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे

फिल्म : मुगले आज़म

मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे
मोरी नाजुक कलइयाँ मरोड़ गयो रे
कंकरी मोहे मारी, गगरिया फोर डाली
मेरी साड़ी अनाड़ी भिगोय गयो रे
मोरी नाजुक कलइयाँ...
नयनों से जादू किया, जियरा मोह लिया
मेरा घूँघट नजरियों से तोड़ गयो रे
मोरी नाजुक कलइयाँ...

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई

फिल्म : मीरा

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई
अंसुवन जल सींच सींच प्रेम बेल बोई
अब तो बेल फैल गई आनन्द फल होई
मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई
तात मात भ्राता बन्धु आपणो न कोई
छोड़ दई कुल की कान का करिहे कोई
मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई
चुनरी के टूक किए ओढ़ लीन्ही लोई
मोती-मूंगे उतार वनमाला पोई

बृज के नन्दलाल राधा के सांवरिया

फिल्म : टकसाल

बृज के नन्दलाल राधा के सांवरिया
सभी दुःख दूर हुए जब तेरा नाम लिया
मीरा पुकारी जब गिरधर गोपाला
ढल गया अमृत में विष का भरा प्याला
कौन मिटाये उसे जिसे तू राखे पिया
सभी दुःख दूर हुए जब तेरा नाम लिया
जब तेरे गोकुल पे आया दुःख भारी
इक इशारे से सब विपदा हारी
मुड़ गया गोवर्धन तूने जित मोड़ दिया
सभी दुःख दूर हुए जब तेरा नाम लिया

नयनों में श्याम बसे मन में बनवारी
सुध बिसराय गई मुरली की धुन प्यारी
मन के मधुवन में रास रचाये रसिया
सभी दुःख दूर हुए जब तेरा नाम लिया
देख रहा है तू मेरे दुःख सारे
पलकों से टूट रहे आस के जब तारे
क्यूँ फिर मैंने लिए चुप तेरी बाँसुरिया
सभी दुःख दूर हुए जब तेरा नाम लिया

सबसे प्यारा सबसे न्यारा

फिल्म : टकसाल

सबसे प्यारा सबसे न्यारा प्रभुजी नाम तुम्हारा
जिसका कोई न जग में उसका तुम ही एक सहारा
जै जै श्याम घनश्याम

सारा जग है उसका दाता तू जिसका हो जाए
भूल जाये सारा दुखड़ा जो शरण तुम्हारी आए
सागर से मिलकर सागर बन जाए जल की धारा
जिसका कोई न जग में उसका तुम ही एक सहारा
जै जै श्याम घनश्याम

आते जाते दो साँसों पे मान करें, ये कैसा नाता
सब कुछ देने वाला तू अभिमान करें हम, तू कैसा दाता
सुख दे चाहे दुःख दे दाता हमको सब कुछ प्यारा
जिसका कोई न जग में उसका तुम ही एक सहारा
जै जै श्याम घनश्याम

अपने द्वार की भक्ति दे दो अपना दास बना लो
भटकें अगर हम कभी तो अपना समझ के गले लगा लो
तुम नैनन की ज्योत हो स्वामी तुम मन का उजियारा
जिसका कोई न जग में उसका तुम ही एक सहारा
जै जै श्याम घनश्याम

तेरे द्वारे आके कोई कभी गया न खाली
मैं अपराधी भी आया हूँ बनकर एक सवाली
बुझ न जाए दीप मेरा हो न जाये अंधियारा
जिसरा कोई न जग में उसका तुम ही एक सहारा

जै जै श्याम घनश्याम
मेरे अपराधों का बदला इन बच्चों से न ले
ले ले मेरे प्राण प्रभु निर्दोष को जीवन दे दे
जै जै श्याम घनश्याम

श्याम नहीं बोले राधा भी नहीं बोली

फिल्म : जय श्री

श्याम नहीं बोले राधा भी नहीं बोली
बाँसुरी बोली तो राधा ठुमक ठुमक डोली
फोड़ दी कन्हैया ने राधा की गगरिया
छीन ली राधा ने मुरारी की मुरलिया
विनती करे मोहन वह बनती रहे भोली
पास आए कान्हा राधा जी रही रूठी
प्रीत लगी सच्ची तो ठिठोरी क्यूँ झूठी
मनकी कह डालीं पर मुँह से नहीं बोली
रास रचा जमुना किनारे सारी सखियाँ
बैठ गई राधा जी बन्द किए अँखियाँ
हार गए मोहन पर आँख नहीं खोली

दईया री दईया यशोदा मैया

फिल्म : आसरा

दईया री दईया यशोदा मैया, इसको सँभाल
बड़ा नटखट है तेरा नन्दलाल

पनिया भरन को जाने ना दे, जाये तो वापस आने ना दे
बाँह न छोड़े मटकी फोरे माखन ले निकाल
बड़ा नटखट है तेरो नन्दलाल
जमुना पे ऐसी बंसी बजाई तन में मन में आग लगाई
नींद चुराई राम दुहाई किया बुरा हाल
बड़ा नटखट है तेरो नन्दलाल
प्रीत बिना कोई गीत न जाने, प्रीत की लेकिन रीत न जाने
बिरह की मारी राधा बिचारी तड़पी कितने साल
बड़ा नटखट है तेरो नन्दलाल

सबको नाच नचाता

फिल्म : कण कण में भगवान

सबको नाच नचाता, फिर भी नजर नहीं जो आता
ऐसी दुनिया को बनाने वाला कौन है।
वो ही श्याम है घनश्याम है
अम्बर से पानी बरसाता, पत्थरों में जो फूल खिलाता
ऐसी दुनिया को बनाने वाला कौन है, वो ही…
माला घुमाने से वो नहीं मिलता, वो नहीं मिलता
भस्म लगाने से वो नहीं मिलता, वो नहीं मिलता
झोंपड़ियाँ में फूल वो खिलाता, फूल खिलाता
कोई गरीब के आँसू में मिलता, आँसू में मिलता
वो ही पिता है वो ही माता, वो ही सबका भाग्य विधाता
ऐसा सृजनहारा सबका प्यारा कौन है, वो ही…

एक है राजा एक भिखारी, क्यूँ एक भिखारी
एक अछूत और एक पुजारी, क्यूँ एक पुजारी
यह भेद पापी हमने बनाया, हाँ हमने बनाया
वो तो सभी के है तन में समाया, मन में समाया
सबको एक प्यार से सींचा, कोई ऊँचा न कोई नीचा
ऐसा एक समझने वाला कौन है, वो ही…

ना जारे नाजा नारे जा मेरे श्याम

फिल्म : जय राधे कृष्ण

ना जारे नाजा नारे जा मेरे श्याम
जले दिए के बिना कैसी बाती
मेरे श्याम, मेरे श्याम, मेरे श्याम, अब कैसे मैं जाऊँ
सुख का सूरज पथ में ढल गया, हो गई दु:ख की शाम
मेरे श्याम, मेरे श्याम, मेरे श्याम…
किसी ने न दु:ख मेरे मन का जाना,
जग ये प्रीत ना मेरी पहचाना
प्रीत के बैरी क्या समझेंगे, प्रीत रिश्ता रे
मेरे श्याम, मेरे श्याम, मेरे श्याम…
तन है मेरा आज यो बन्दी जैसे पिंजरे में कोई हो पंछी
उड़ना चाहूँ उड़ नहीं पाऊँ क्या करूँ मैं घनश्याम
मेरे श्याम, मेरे श्याम, मेरे श्याम…

नन्दलाला रे नन्दलाला रे

फिल्म : जय राधेकृष्ण

नन्दलाला रे, नन्दलाला रे, नन्दलाला रे
जीवन का तू है बन जा रखवाला रे
माता यशोदा तुम्हें पाया खिलौना ये
युग-युग जिए तेरा, लाल सलौना ये
ये हँस-हँस पड़ें, तेरा सारा जग झूमके
स्वर्ग में भी पावन है ये तेरा आँगन,
आहा...आहा...आहा

नन्दलाला रे नन्दलाला रे नन्दलाला रे
कितना भला लागे मोर मुकुट वाला
श्यामल श्यामल तेरा देख के रंग मुझे
हाय कजरे का मेरे फीका लागे रंग मुझे
मन कहे ये मेरा, रंग लेकर तेरा
भर लूँ नयन अपने, देखूँ तेरे सपने,
आहा नन्दलाला रे...

तुमको ले जाऊँगी परियों के गाँव में
दूर कदम्ब के तले ठंडी-ठंडी छाँव में
चाँद को ये मगर, परियों को देखकर
खुद भी ना खो जाना, मुझको न बिसराना
आहा नन्दलाला रे...

हे रे कन्हैया, किसको कहेगा तू मैया

फिल्म : छोटी बहू

हे रे कन्हैया, किसको कहेगा तू मैया
जिसने तुझको जन्म दिया रे, जिसने तुझको पाला
कन्हैया, किसको कहेगा तू मैया
मानी मानताएँ और देवी देव पूजे, पीर सही देवकी ने
दूध में नहाने का, गोद में खिलाने का
सुख पाया यशोदा जी ने, एक ने तुझको जन्म दिया रे
एक ने जीवन सम्भाला, कन्हैया किसको कहेगा तू मैया
मन के डर से भेज दिया घर से देवकी ने गोकुल में
बिना दिए जन्म यशोदा बनी माता तुझको छिपाया आँचल में
एक ने मन को रूप दिया, एक ने तन को ढाला
कन्हैया, किसको कहेगा तू मैया
भेद ये ममता न जानें, कोई भी हो जिसने
दिया हो प्यार माँ का, मन तो माँ उसी को माने
एक ने तुझको दी हैं आँखें, एक ने दिया उजाला
कन्हैया, किसको कहेगा तू मैया

बड़ी देर भई नन्दलाला

फिल्म : खानदान

बड़ी देर भई नन्दलाला तेरी राह तके ब्रजवाला
ग्वाल बाल इक-इक से पूछे कहाँ है मुरली वाला रे
कोई न जाए कुंज गलिन में तुम बिन कलियाँ चुनने को

तरस रहे हैं यमुना के तट धुन मुरली की सुनने को
संकट में है आज वो धरती जिस पर तूने जन्म लिया
पूरा कर दे आज वचन गीता में जो तूने दिया
कोई नहीं है तुझ बिन मोहन भारत का रखवाला रे
बड़ी देर भई...

पग घुँघरूँ बांधि मीरा नाची रे

फिल्म : मीरा श्याम

पग घुँघरूँ बांधि मीरा नाची रे,
मैं तो अपने नारायण की हो गई आप ही दासी रे
लोग कहें मीरा भई बावरी सास कहे कुलनासी रे
विष का प्याला राणाजी भेजया पीवत मीरा हाँसी रे
मीरा के प्रभु गिरधर नागर वेग मिलो अविनाशी रे
पग घुँघरूँ बांधि...

बनवारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे

फिल्म : एक फूल चार काँटे

बनवारी रे, जीने का सहारा तेरा नाम रे
मुझे दुनिया वालों से क्या काम रे
झूठी दुनिया झूठे बन्धन, झूठी है यह माया
झूठा साँस का आना जाना, झूठी है यह काया
ओ यहाँ साँचा तेरा नाम रे, बनवारी रे...
रंग में तेरे रंग गई गिरधर छोड़ दिया जग सारा

बन गई तेरे प्रेम की जोगन लेकर मन इकतारा
ओ मुझे प्यारा तेरा धाम रे, बनवारी रे...
दर्शन तेरा जिस दिन पाऊँ हर चिन्ता मिट जाये
जीवन मेरा इन चरणों में आस की ज्योत जगाये
ओ मेरी बाँह पकड़ लो श्याम रे, बनवारी रे...

नन्हे लाला को नजर न लगे

फिल्म : गोपाल कृष्ण

नन्हे लाला को नजर न लगे
इनके सर पे यशोदा की छाँव है
नन्हे-नन्हे हाथ कोमल नन्हे-नन्हे पाँव रे
नटखट-सी की खटक देखो माखन मुख लिपटा ही लिया
खट से टूटी मटकी खाया सो खाया गिरा भी दिया
जय-जय-जय बालकृष्ण की
जय-जय-जय गोपाल कृष्ण की जय
गेंद गिराना कालन्दी में ग्वाल बाल की चाल है
आज कालिए नाग के आगे लाल बना गोपाल है
फुंकार रहा नथनों से फन खोले अत्याचारी
उसके फन पे नाथ लो देखो, बंशी बजाते बनवारी
भोले नन्द यशोदा चिंतित दुखिया सब गोकुलवासी
ऊपर लाए दुष्ट नाग को उसके फन को लगा फाँसी
कालिया मदन हुआ कथा जानी पहचानी है
कृष्ण की अमर कहानी है

गोविन्द बोलो हरि

फिल्म : जानी मेरा नाम

गोविन्द बोलो हरि गोपाल बोलो
राधा रमन हरि गोपाल बोलो
गोविन्द बोलो हरि गोपाल बोलो

जय जय श्याम राधेश्याम
ओ री ओ मोसे मेरा श्याम रूठा
काहे मोरा भाग फूटा, काहे मैंने पाप ढोये
असुंवन बीज बोये, छुप-छुप मीरा रोये
दर्द न जाने कोये, ओ री ओ···
मोसे मोरा श्याम रूठा···

जय जय श्याम राधेश्याम राधेश्याम हरि राधेश्याम
विष का प्याला पीना पड़ा है
मरकर भी मोहे जीना पड़ा है, नैन मिलाये क्या गिरधर से
गिर गई जो अपनी ही नजर से रो-रो नैना खोए
छुप-छुप मीरा रोए
दर्द न जाने कोये, ओ री ओ···
मोसे मोरा श्याम रूठा···
जय जय श्याम राधेश्याम राधेश्याम हरि राधे श्याम

राधिके तूने बाँसुरी बजाई

फिल्म : बेटी बेटे

राधिके तूने बाँसुरी बजाई, बाँसुरी चुराई क्या तेरे मन भाई
काहे को रार मचाई मचाई रे राधिके तूने···
कहाँ छुपाई पर न बताये
नटखट करत ढिठाई ढिठाई राधिके तूने···
ना तेरी बैरन ना तेरी सौतन
मेरी मुरलिया मोहे सब का मन
करी तेरी कौन बुराई बुराई राधिके तूने···
निस दिन तेरे गीत सुनाये राधा राधा रटत लगाये
सब जग पड़त सुनाई रे राधिके···

✓ दर्शन दो घनश्याम नाथ मेरी

फिल्म : नरसी भगत

दर्शन दो घनश्याम नाथ मेरी अँखियाँ प्यासी रे
मन मन्दिर की ज्योति जगा दो घट-घट वासी रे
दर्शन दो घनश्याम···
मन्दिर-मन्दिर सूरत तेरी फिर न दीखे सूरत तेरी
युग बीते ना आई मिलन की पूरनमासी रे,
दर्शन दो घनश्याम···
द्वार दया का जब तू खोले पंचम सुर में गूँगा बोले
अन्धा देखे लंगड़ा चलकर पहुँचे काशी रे
दर्शन दो घनश्याम···

जैसे राधा ने जपी माला श्याम की

फिल्म : तेरे मेरे सपने

जैसे राधा ने माला जपी श्याम की
मैंने ओढ़ी चुनरिया तेरे नाम की
प्रीत क्या जुड़ी डोर क्या बंधी
बिना जतन बिना यतन हो गई मैं तेरी
बिना मोल के मैं बिकी, बिना दाम की, जैसे राधा ने...
क्या तरंग है क्या उमंग है, मोरे अंग अंग रचा पी का रंग है
शरमाई कैसे कहूँ बात श्याम की, जैसे राधा ने...
पा लिया तुझे पायी हर खुशी चाहूँ बार-बार चढ़ूँ तेरी पालकी
सुबह शाम की ये प्यास बड़े काम की, जैसे राधा ने

पूजा की विधि न जानूँ

फिल्म : दीवानगी

पूजा की विधि न जानूँ न जानूँ महाराज
मैं तज के सब संसार तेरे चरणों में आई आज
पूजा की विधि न जानूँ...
मन मेरा तेरी आरती प्रीत की जिसमें आग, श्याम रे
आती जाती साँस छुपाए निस-दिन तेरे राग
पूजा की विधि न जानूँ...
न धन की न धाम की दुनिया की चाह कृष्णा रे...
जिस पर चल करके मन सुख पाए बतला दो वो राह
कोई तेरे द्वार से खाली न जाए दाता रे, दाता रे

जग जिसे मारे तू उसे राखे और संकट से बचाए
पूजा की विधि न जानूँ...

श्री राम भक्ति के गीत

दूसरों का दुखड़ा दूर करने वाले

फिल्म : दशहरा

दूसरों का दुखड़ा दूर करने वाले तेरे दुःख दूर करेंगे राम
किए जा जग में भलाई का काम तेरे दुःख दूर करेंगे राम
सतका ये पग है धरम का मारग, सँभल-सँभल चलना प्राणी
पग-पग पर है यहाँ रे कसौटी, कदम-कदम पर कुर्बानी
मगर तू डावांडोल न होना तेरी सब पीड़ा हरेंगे राम, दूसरों...
क्या तूने पाया क्या तूने खोया, क्या तेरा लाभ क्या हानी
इसका हिसाब करेगा वो ईश्वर, तू क्यों फिकर करे रे प्राणी
तू बस इतना काम किए जा, तेरा भंडार भरेंगे राम, दूसरों...
पोंछ ले तू अपने आँसू तमाम तेरे दुःख दूर करें राम, किये...

तोरा मनवा क्यों घबराये रे

फिल्म : साधना

तोरा मनवा क्यों घबराये रे
लाखों दीन दुखियारे प्राणी जग में मुक्ति पाएँ रे
राम जी के द्वार से...

बन्द हुआ यह द्वार कभी न जुग कितने ही बीते
सब द्वारों पर हारने वाले इस द्वारे पर जीते
लाखों पतित लाखों पतिताएँ पावन होकर आये रे
राम जी के द्वार से···

हम मूर्ख जो काज बिगाड़े राम वो काज संवारे
वो महानद हो के अहिल्या सबको पार उतारे
जो कंकर चरणों को छू ले, सो हीरा हो जाए रे
राम जी के द्वार से···

न पूछे वो जात किसी की, न गुण-अवगुण जाँचे
वही भक्त भगवान को प्यारा जो हर बानी बांचे
जो कोई श्रद्धा लेकर आए झोली भरकर जाए रे
राम जी के द्वार से···

तुझमें राम मुझमें राम

फिल्म : परदेशी

तुझमें राम, मुझमें राम, सब में राम समाया
सबसे कर ले प्यार जगत में कोई नहीं पराया रे
तुझमें राम···

न वह मन्दिर न वह मस्जिद न काबे कैलाश
मन दर्पण में देख रे मूरख, प्रभु तो तेरे पास
गोरी माटी काली माटी, सबमें उसकी छाया
जरा सा छू लेने से जिसका, हो जाए अपमान
अन्धी पूजा करने वाले, वह कैसा भगवान

जात पात के भेद भाव में काहे जन्म गँवाया
प्रभु के घर से क्यूँ तुमने मेहमान को दिया निकाल
मूरख भगतों मन्दिर से भगवान दिया क्यूँ निकाल
पत्थर में तो हरि दिखे, इन्सा में देख न पाया
तुझमें राम···

आजा रे आजा मेरे राम रघुराई

फिल्म : रामनवमी

आजा रे आजा मेरे राम रघुराई मेरी हो रही जगत हँसाई
तेरे सिवा प्रभु और किसको पुकारूँ आज
लग रही है दुनिया पराई, मेरी हो रही···

आज परीक्षा मेरी नहीं है तेरी कसौटी है स्वामी
ऐसा न हो कि संग मेरे तेरी भी हो बदनामी
जल बिन जैसे मछलिया तड़पती वैसे ही मैं अकुलाई
मेरी हो रही···

जब से तेरे रंग में रंग ली चुनरिया और कहीं के जिया लागे
एक बेरी आजा रे ओ मनभावन अपनी जोगनिया के आगे
हो गई आज पहाड़ों से भारी मेरी करम कठिनाई
मेरी हो रही···

आना प्रभु! मेरे पथ पे खड़ा है बनकर के दुश्मन जमाना
मतलब के पुतलों का पहरा लगा है मुश्किल है नाता निभाना
इतने बड़े जग में कोई नहीं मेरा, आ मेरे समरथ साई
मेरी हो रही···

भारत की एक सन्नारी की हम

फिल्म : राम राज्य

भारत की एक सन्नारी की हम कथा सुनाते हैं
मिथिला की राजदुलारी की हम कथा सुनाते हैं, भारत···
शिव धनुष राम ने तोड़ा, मिला चन्द्र चकोर का जोड़ा
जनकपुरी से तोड़ा नाता, अवधपुरी से जोड़ा
कोमल थी वह कली, सुखों में पली,
वनों में चली बहुत दुःख पाई
सुनकर उसकी व्यथा, नैन भर आते हैं
हम कथा सुनाते हैं, भारत की···
रावण ने छल करी, सिया को हरी,
विधि क्या करी शोक बहुत पाई
सीता सीता करे, विरह में जरे, वनों में फिरे, विकल रघुराई
फिर पवन पुत्र वहाँ आये, सुधि को धाए···
रामकोप कर बढ़े, लंका पर चढ़े, फूँक दई लंका
सिया लौटाई, सिया लौटाई
जैसे दिए में तेल, तेल में बाती, बाती में तेज प्रकासे
तस राम हृदय में सिया, सिया हिय राम ही भासे
क्या बिना प्राण के अमर रही कहीं देही
क्या रही राम दरबार, कहाँ वैदेही

अरे जरा सुनो लगाकर ध्यान

फिल्म : परदेशी

अरे जरा सुनो लगाकर ध्यान
वहाँ जन्मे लोग महान, बड़े गुणवान
कि जैसे राम लखन भाई, तहाँ सीता जैसी माई
पवन सुत हनुमान गोसाई कि जिसकी महिमा कही न जाई
यह हिन्दुस्तान है प्यारे, हमारी जान है प्यारे
हमारी आन, हमारी बान, हमारी शान है प्यारे
एक दिन रानी कैकई ने घर में ऐसी आग लगाई
राज करे क्यों सौत का जाया दशरथ को यह पट्टी पढ़ाई
हारे अपना वचन जो दशरथ हरी भरी बगिया मुरझाई
पिता की आज्ञा पालन करने बन को चले राम रघुराई
रघुकुल रीति सदा चली आई प्राण जायें पर वचन न जाई
जमुना तट पे संग सखियन के रास रचायें कृष्ण मचाई
प्रीत के रंग में अम्बर नाचा प्रीत की धुन में धरती माई
प्रीत बिना कुछ नाहीं जग में, क्या पाया जो प्रीत न पाई
जब जब प्रेम की मुरली बाजी राधा दौड़ी-दौड़ी आई
यह हिन्दुस्तान है प्यारे···

राम से बड़ा राम का नाम

फिल्म : राम भरोसे

राम से बड़ा राम का नाम, बनाये सबके बिगड़े काम
चलो भई राम भरोसे, राम भरोसे राम भरोसे

हे जियो भाई राम भरोसे, राम भरोसे राम भरोसे
परमेश्वर स्वयं रक्षा जिसकी करे
जग बैरी हो तो क्या वो मारे न मरे
कोई राह में काँटे लाख बिछाए
अरे राम का बन्दा आगे बढ़ता जाए हो बढ़ता जाए
हो बढ़ो भई राम भरोसे राम भरोसे
दाने दाने पे नाम खाने वाले का लिखा
लिखने वाला मगर नहीं किसी को दिखा, दाने…
अरे युगों से सुनते आए हो रही राम भरोसे
सूरज न उगे, चन्दा न खिले
उसकी मर्जी बिना एक पात न हिले, श्रीराम श्रीराम सीयाराम
अरे जिसने बनाई, ये दुनिया सारी
अरे सबसे बड़ी है उसकी जिम्मेदारी

तेरे प्रभु जानते हैं बात घट घट की

फिल्म : बजरंगीबली

तेरे प्रभु जानते हैं बात घट-घट की
बजाये जा तू प्यारे हनुमान चुटकी
तेरे माथे पे है बेटा तलवार लटकी
बजाये जा तू प्यारे हनुमान चुटकी
जहाँ प्रभु हैं वहाँ चाल किसकी चली
तेरे राम जी के आगे दाल किसकी गली
तू जानी नहीं लीला नटखट की, बजाये जा…

राम नाम रट छोड़ खटपट तेरे कट जायेंगे संकट झटपट
जी भी आगे आयेगा उसे देखा जायेगा
तेरे सामने भगत कौन-कौन टिक पायेगा
अरे फिकर न कर तू फोकट की, बजाये जा…
तुझे माताजी ने घर से निकाला तो क्या
तेरा थोड़ी देर निकला दीवाला तो क्या
तू भी आगे आयेगा उसे देख जायेगा
तेरे सामने भगत कौन टिक पायेगा
अरे फिकर न कर तू फोकट की, बजाये जा…
तुझे माता जी ने घर से निकाला तो क्या
तेरा थोड़ी देर निकला दिवाला तो क्या
तू भी दिखला दे जात अपनी मर्कट की, बजाये जा…

राम अयोध्या छोड़ चले

फिल्म : रामायण

राम अयोध्या छोड़ चले छोड़ चले
बनवासी बन राजदुलारे सबसे नाता तोड़ चले
बालक बूढ़े नर नारी को राम सिसकता छोड़ चले
माया ममता और महल से अपना नाता तोड़ चले
जैसी पिंजरे के पंछी की बुरी दशा हो जाती है
दशरथ के जीवन की जैसे प्राण ज्योति अकुलाती है
राम अयोध्या छोड़ चले, छोड़ चले छोड़ चले
साथ सिया के और लखन के छोड़ चले

हे मारुती सारी राम कथा

फिल्म : बजरंगबली

हे मारुती, सारी राम कथा का सार तुम्हारी आँखों में
दुनियाभर की भक्ति का भण्डार तुम्हारी आँखों में
जय जय बजरंगबली जय जय बजरंगबली
लंका को तुम्हीं ने जलाया था
रावण को तुम्हीं ने जलाया था
संजीवनी बूटी ला करके
लक्ष्मण को तुम्हीं ने जिलाया था
रहते हैं सदा रघुनन्दन जी
साकार तुम्हारी आँखों में, हे मारुति···
तुम सचमुच संकटमोचन हो
शंकर की तरह त्रिलोचन हो
जिस पर हो तुम्हारी कृपा उसे
कभी कष्ट न हो कभी सोच न हो
चिन्ता को जो काट रख दे वो
तलवार तुम्हारी आँखों में, हे मारुति
हे मारुति, सारी राम कथा का सार तुम्हारी आँखों में
दुनियाभर की भक्ति का है भण्डार तुम्हारी आँखों में
जय जय बजरंगबली
तुम प्रेम भरी एक गागर हो, शक्ति के अनोखे सागर हो
जहाँ राम नाम का हीरा मिले
उस हाट के तुम सौदागर हो, करतार की आँखों में तुम हो
करतार तुम्हारी आँखों में, हे मारुति···

तुम जैसी विभूति न अन्य हुई, प्रभुभक्ति तुम्हारी अनन्य हुई
प्रतिभा के धनी हनुमान सुनो, तुम्हें पाके ये धरती धन्य हुई
माता मिथिलेश दुलारी का है, हे मारुति
प्यार तुम्हारी आँखों में।
हर भक्त की भक्ति के प्राण हो तुम
हर वीर की शक्ति की शान हो तुम
तुम लाखों में एक हो हनुमन्ता
वसुधा के लिए वरदान हो तुम
दिन रात लगा रहता प्रभु का
दरबार तुम्हारी आँखों में, हे मारुति
हे मारुति, सारी राम कथा का सार तुम्हारी आँखों में
जय जय बजरंगबली जय जय बजरंगबली
धरती के विलक्षण वीर हो तुम
बिजली हो मगर गम्भीर हो तुम
हम को लगता श्री राम धनुष के
एक अलौकिक तीर हो तुम
रहता हरदम त्रेता युग का
अवतार तुम्हारी आँखों में, हे मारुति···

बड़ी देर भई, बड़ी देर भई

फिल्म : बसन्त विहार

बड़ी देर भई, बड़ी देर भई, कब लोगे खबर मोरे राम
चलते चलते मेरे पग हारे, आई न जीवन की शाम
कब लोगे खबर मोरे राम बड़ी देर भई···

कहते हैं तुम हो दया के सागर, फिर क्यों खाली मेरी गागर
झूमे-झूमे कभी न बरसे, कैसे हो तुम घनश्याम, हे राम···
बड़ी देर भई···

सुनके जो बहरे बन जाओगे
आप ही छलिया कहलाओगे
मेरी बात बने न बने, हो जाओगे तुम बदनाम···
बड़ी देर भई···

राम तुम्हारे जगमग

फिल्म : तुलसीदास

राम तुम्हारे जगमग जग में डगमग मेरे पाँव सँभालो···
गिरने को दो चरण बढ़ा दो, गिर जाऊँ तो तुम्हीं उठा लो
मुझे अपनी शरण में ले लो राम
ले लो राम, मुझे अपनी शरण में ले लो राम
लोचन मन में जगह हो तो
जुगल चरण में ले लो राम, ले लो राम मुझे अपनी···
जीवन दे के जाल बिछाया रच के माचा नाच नचाया
चिन्ता मेरी तभी मिटेगी जब चिन्तन में, ले लो राम मुझे अपनी···
तुमने लाखों पापी तारे मेरी बारी बाजी हारे
मेरे पास न पुण्य की पूँजी
पद पूजन में ले लो राम, ले लो राम मुझे अपनी···
घर-घर अटका दर दर भटका कहाँ-कहाँ अपना सिर पटकूँ
इस जीवन में मिलो न तुम तो
मुझे शरण में ले लो राम, ले लो राम, मुझे अपनी···

मोसे रूठ गए मोरे राम रे

फिल्म : कारीगर

मोसे रूठ गये मोरे राम रे
अपनी सीता को दे बैठे एक पतिता का नाम रे, मोसे रूठ···
कौन जतन से लक्ष्मण भाता रूठे राम मनाऊँ
वो बोलें तो सीस नवाकर धरती बीच समाऊँ
मरते-मरते भी होठों पर राम का होगा नाम रे, मोसे रूठ···
काहे जीती सीता सुनकर राम से ऐसी बानी
पर क्या करती गर्भ में थी राम निशानी
जान पे दुःख सहकर भी जीना है माता का काम रे, मोसे रूठ···

राम जी तुम्हारे द्वारे

फिल्म : बद्रीनाथ यात्रा

राम जी तुम्हारे द्वारे आए हम बेसहारे
दुखड़ा हमार तुम दूर करो प्रभु जी
भूल हुई क्या ऐसी मुझसे हे दुनिया के पालनहारे
बिखर गया जो बसा बसाया हरा भरा मेरा संसार
जायें तो कहाँ जायें, थाम लो हमारी बाँहें
हम हैं प्रभु दुखियारे राम जी···
तेरी ज्योति चाँद सूरज है गगन के हैं लाखों तारे
मेरे तो लाल ही भगवान है आँखों के उजियारे
दूर हुए वो ममता पुकारे तुमसे
तुम बिन कौन उबारे, राम जी···

श्री दुर्गा भक्ति के गीत

बोल साँचे दरबार की जय

फिल्म : भक्ति में शक्ति

बोल साँचे दरबार की जय!
जग तेरे चरणों में आयो, भोली माँ
दरस दिखा दे, बिगड़ी बना दे
भक्तों ने शीश झुकायो, भोली माँ
मन भी तेरा, तन भी तेरा, रोम-रोम तेरा प्यासा
आँखों में तेरा दर्शन, दिल में तेरी दिलासा
हाथ जोड़कर विनती करते, भक्तों ने शीश झुकायो, भोली माँ...
चाहे बुरे हैं, चाहे भले हैं, जो कुछ भी है तेरे
कदम कदम पे दीप जला दे, छाये घोर अन्धेरे
भटक गए जो बालक तेरे, उनको राह दिखाओ, भोली माँ...
महाअसुर और शुम्भ निशुम्भ जैसे राक्षस चुन-चुन मारे
महिषासुर और चण्ड-मुण्ड जैसे दुर्जन पार उतारे
भैरों का सिर काट के काली, पाँव के नीचे दबायो, भोली माँ...
जग तेरे चरणों में आयो...

जय अम्बे जगदम्बे माँ

फिल्म : हीरा

जय अम्बे जगदम्बे माँ जय अम्बे जगदम्बे माँ
ओ चले रे पवन डोले रे गगन, जय अम्बे

कोई दीप न बुझने पाये तूफानों के साए हैं
अंधियारे घिर आए हैं ओ वो ही राह दिखाए
जिसने छुआ मन उसने छुआ तन उसके घर ही जाए डोली
जिसको मैं चाहूँ उसको ही पाऊँ जिसकी मैं दिल से होली
सावन न बन जाये न कहीं काजल पागल हो जाए
न कहीं घायल आँचल कल न जाये
जीवन से हारे आये तेरे द्वारे दे दे हमें तू सहारे-2
चाहे बुरे हो चाहे भले हों जैसे भी हों हैं तिहारे-2
हमको जो मिलेगी नाकामी होगी तेरी भी घर-घर बदनामी
भगतों की लाज न जाए, जय अम्बे

माँ जोता वालिए लाटां वालिए

फिल्म : भक्ति में शक्ति

माँ जोता वालिए लाटां वालिए
माँ तेरे दरबार झुके सारा संसार
बीच भँवर में घिर गई नैया तुझ बिन मेरा कौन खिवैया
धुँआ उठा है लहरों में तू कर दे बेड़ा पार माँ
तुम चाहो तो टूटे जोड़ो मुर्दे में जां वापस मोड़ो
अपने नाम की माँ अपने नाम की लाज बचाओ
भगत न जाये हार माँ सुनले हे जगदम्बे हे महामाया
सर के बल मैं चलकर आया आज न तेरे माँ आज न तेरे माँ...
दरश हुए तो दूँगा शीश उतार
तेरे दरशन बिन मर जाऊँगा दरशन दे दे माँ
मैं अपने लहू पर मर जाऊँगा दरशन दे दे माँ

जय हे महालक्ष्मी माँ

फिल्म : जय महालक्ष्मी

जय हे महालक्ष्मी माँ नैया मेरी पार करो
झोली फैलाए खड़ी मैया भंडार मेरा, जय हे महालक्ष्मी माँ···
तू है दयालु मैया ममता भरी
लाखों दुखियों की तूने विपदा हरी
हम आए शरण तिहारी
हम पे भी तो जरा ध्यान करो, जय हे महालक्ष्मी माँ···
आई दिवाली आई दीपक जले
तेरी कृपा हो तो सभी फूलें फलें
सुख सम्पत्ति से घर भर जाए
इतना सा उपकार करो, जय हे महालक्ष्मी माँ···

ए भई जब भीर पड़ी भगतन पर

फिल्म : जौहर मौहमूद इन हाँगकाँग

ए भई जब भीर पड़ी भगतन पर तूने सुनी पुकार
ए भई जिसकी रक्षा तू करे उसे क्या मारे संसार
आयो आयो नवरात्री का त्यौहार हो अम्बे मैया
तेरी जय जयकार
ये कर देकर दे भगतों का बेड़ा पार, हो अम्बे मैया
तेरी जय जयकार
हम तो बालक तेरे माता और तू जीवन दाता है
कोई उसको छू नहीं पाता तेरी शरण जो आता है

ये आई सिंह पे सवार, तेरी शक्ति आपार
तुझे अम्बे जगदम्बे जग सारा जाने रे
आज अपना दिखा दे चमत्कार
हो अम्बे मैया तेरी जय जयकार
विपदा में है देश हमारा तू ही बचाने वाली है
आँचल में ये दीप छुपा ले आँधी आने वाली है
ये बैरी पीछे पड़े, हमें घेरे खड़े
तुझे अम्बे जगदम्बे जग सारा जाने रे
देशद्रोही का कर दे बंटाधार
हो अम्बे मैया तेरी जय जयकार
चारोंखाने चित्त है दुश्मन उसने हमको मान लिया
नाचो गाओ मौज मनावो मैया ने कल्याण किया
ये अपनी मैया ने आज, रखी भक्तों की लाज
तुझे अम्बे जगदम्बे जग सारा जाने रे
नहीं भूलेंगे तेरा उपकार और अम्बे मैया तेरी जय जयकार

जय जय हे जगदम्बे माता

फिल्म : गंगा की लहरें

जय जय हे जगदम्बे माता, द्वार तिहारे जो भी आता
बिन माँगे सब कुछ मिल जाता
तू चाहे तो जीवन दे दे, तू चाहे तो पल में जीवन ले ले
जन्म मरण सब हाथ में तेरे, हे शक्ति हे माता, जय जय हे···
पापी हो या होवे पुजारी, राजा होवे या कोई भिखारी
फिर भी तूने जोड़ा सबसे माँ बेटे का नाता, जय जय हे···

जब-जब जिसने तुझको पुकारा, तूने दिया है बढ़के सहारा
हर भूले राही को तेरा प्यार ही राह दिखाता, जय जय हे···

मैं तो आरती उतारूँ रे

फिल्म : जय सन्तोषी माँ

मैं तो आरती उतारूँ रे सन्तोषी माता की
सन्तोषी माता की जय जय माँ
बड़ी ममता है बड़ा प्यार माँ की आँखों में
बड़ी करुणा बड़ा दुलार माँ की आखों में
क्यों न देखूँ मैं बारम्बार माँ की आँखों में
दिखे हर घड़ी नया चमत्कार माँ की आँखों में
नृत्यु करूँ घूम-घूम, झम झमा-झम झूम झूम
झाँही निहारूँ रे ओ प्यारी प्यारी झाँकी निहारूँ रे
सदा होती है जय जयकार माँ के मन्दिर में
नित झांझर की होय झंकार माँ के मन्दिर में
सदा मंजीरे करते पुकार माँ के मन्दिर में
दीप धरूँ धूप धरूँ प्रेम सहित भक्ति करूँ
जीवन सुधारूँ रे ओ प्यारा-प्यार जीवन सुधारूँ रे

यहाँ वहाँ जहाँ तहाँ मत पूछो

फिल्म : जय सन्तोषी माँ

यहाँ वहाँ जहाँ तहाँ मत पूछो कहाँ कहाँ है सन्तोषी माँ
अपनी सन्तोषी माँ, अपनी सन्तोषी माँ

जल में भी थल में भी, चल में अचल में भी
अतल वितल में भी माँ
अपनी सन्तोषी माँ अपनी सन्तोषी माँ

बड़ी अनोखी चमत्कारणी ये अपनी माई
राई को पर्वत कर सकती पर्वत को राई
द्वार खुला दरबार खुला है, आओ बहन-भाई
इसके दर पर कभी दया की कमी नहीं आई
पल में निहाल करे दुःख का निकाल करे
तू तो कमाल करें, माँ अपनी सन्तोषी माँ···

इस अम्बा में जगदम्बा में गजब की है शक्ति
चिन्ता में डूबे हुए लोगों कर लो इसकी भक्ति
अपना जीवन सौंप दो इसको पालो रे मुक्ति
सुख सम्पत्ति की दाता ये माँ क्या नहीं कर सकती
बिगड़ी बनाने वाली, दुखड़े मिटाने वाली, कष्ट हटाने वाली माँ···
अपनी सन्तोषी माँ···

गिरजासुत गणपति की बेटी ये है बड़ी भोली
देख-देख के इसका मुखड़ा हरेक दिशा डोली
आओ रे भक्तों ये माता सबकी हमजोली
जो माँगोगे वही मिलेगा भर लो रे झोली
उज्जवल-उज्जवल निर्मल-निर्मल सुन्दर-सुन्दर माँ···
अपनी सन्तोषी माँ···

✓ मदद करो सन्तोषी माता

फिल्म : जय सन्तोषी माता

मदद करो सन्तोषी माता मेरी इज्जत का सवाल है माँ
आज निभाना अपना नाता मदद करो सन्तोषी माता
मेरे लिए जिन्दगी आज तलवार की धार बनी है
मेरे लिए आज हर डगर अंगार बनी है
मुझे चिता में आज जला दो ये मेरी भाग्य विधाता माता···
मदद करो सन्तोषी माता
हे जगदम्बा देखो मुझको दुनिया दे रही ताना
इम्तहान लेने को खड़ा है दुश्मन बनके जमाना
आज कहीं बदनाम न होवे मेरा तुम्हारा यहाँ नाता
मदद करो सन्तोषी माता जय सन्तोषी माता

✓ करती हूँ तुम्हारा व्रत मैं

फिल्म : जय सन्तोषी माँ

करती हूँ तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो माँ
मझधार में मैं अटकी बेड़ा पार करो माँ, हे माँ सन्तोषी
बैठी हूँ बड़ी आशा से तेरे दरबार में
क्यूँ रोए तुम्हारी बेटी इस निर्दय संसार में
पलट दो मेरी भी किस्मत चमत्कार करो माँ
मझधार में मैं अटकी बेड़ा पार करो माँ
मेरे लिए तो बन्द है दुनिया की बस राहें
कल्याण मेरा हो सकता है माँ आप जो चाहें

चिंता की आग से मेरा उद्धार करो माँ
मझधार में मैं अटकी बेड़ा पार करो माँ, हे माँ सन्तोषी
दुर्भाग्य की दीवार को तुम आज हटा दो
मातेश्वरी वापस मेरे सौभाग्य को ला दो
इक अभागिन नारी का बेड़ा पार करो माँ
मझधार में मैं अटकी बेड़ा पार करो माँ
हे माँ सन्तोषी हे माँ सन्तोषी···

ओ शेरां वाली तेरी जय हो

फिल्म : फरेबी

ओ शेरां वाली तेरी जय हो,
ओ पहाड़ां वाली तेरी जय-जय
जब-जब भीड़ पड़ी भक्तों पर तब-तब दीना साथ
कोई हाथ लगा नहीं सकता जिस पे तेरा हाथ
मय्या! बेटा तुझको पुकारे, भोली माँ···
ओ मैं तो आन पड़ा तेरे द्वार
मुझ पे दया की नजर करो, भोली माँ···ओ मैया···
आगे काँटे पीछे काँटे, काँटे दायें बायें
जगदम्बा का नाम लिया तो काँटे फूल बन जायें
जिसको राखे तू जगजननी कौन भला उसे मारे, भोली माँ···
तेरी छत्र छाया में आकर फिर जग से क्या डरना
सब कुछ तू ही जान किसने कब जीना कब मरना
तेरी जोत से जोतां वाली चमके चाँद सितारे, भोली माँ···

एक तरफ भगवान खड़े और एक तरफ माँ प्यारी,
पहले माता को मैं पूजूँ फिर भगवान की बारी
तेरी करनी कोई न टाले ऋषि मुनि सब हारे, भोली माँ···
मैं तो आन पड़ा तेरे द्वार,
मुझपे दया की नजर करो, भोली माँ···

माँ के अंग चोला साजे

फिल्म : आलिंगन

माँ के अंग चोला साजे, हरेक रंग चोला साजे
मात की महिमा देखो, जोत दिन रैना जागे
हे माँ, हे माँ शेरां वालिए, लाटां वालिए···
तू ओढ़े लाल चुनरिया, गहनों से करे शृंगार
शेरों पर करे सवारी, तू शक्ति का अवतार
तेरे तेज भरे दो नैना, जलती ज्योति के समान
तेरे नाम का हे माता जगत में डंका बाजे
माँ के अंग चोला साजे···
ऊँचा है मन्दिर तेरा ऊँचा तेरा स्थान
संसार में ना कोई दूजा माँ होगा तेरे समान
जो आये श्रद्धा लेके वो ले जाये वरदान
हे माता तू भक्तों के दुःख-सुख का रखे ध्यान
तेरे चरणों में आके, भाग न कैसे जागे
माँ के अंग चोला साजे···

श्री शिव भक्ति के गीत

जीवन पथ पर शाम सवेरे

फिल्म : बैराग

जीवन पथ पर शाम सवेरे छाए हैं घनघोर अन्धेरे
ओ शंकर मेरे कब होंगे दर्शन तेरे, ओ शंकर, दर्शन तेरे
मैं मूर्ख तू अन्तरयामी, मैं सेवक तू मेरा स्वामी
मैं सेवक तू मेरा स्वामी काहे मुझसे नाता तोड़ा
मन छोड़ा मन्दिर भी छोड़ा कितनी···
कितनी दूर लगाये तूने आज कैलाश पर डेरे
ओ शंकर···दर्शन तेरे
तेरे द्वारे ज्योत जगाते, युग बीते तेरे गुण गाते,
युग बीते तेरे गुण गाते
ना माँगू मैं हीरे मोती, माँगू बस थोड़ी सी ज्योति
खाली हाथ न जाऊँगा मैं दाता द्वार से तेरे
ओ शंकर मेरे कब होंगे दर्शन तेरे, ओ शंकर···
जगतपिता संसार के दाता ये कैसा अन्याय विधाता
अमृत माँगा था विष पाया लेकिन आज समय वो आया
अपनी आँखें तू खोलेगा तेरा सिंहासन डोलेगा
वो कैसा भगवान जो अपने भक्तों से अँखियाँ फेरे
ओ शंकर मेरे कब होंगे दर्शन तेरे, ओ शंकर···

जय भोले नाथ जय हो

फिल्म : कुंवारा बाप

जय भोले नाथ जय हो प्रभु सबसे जगत में ऊँचा है तू
इस दर से छोटा-बड़ा कोई न खाली गया
पर खाली है आँचल मेरा, जय···
सबसे जगत में ऊँचा है तू हर दाग धुँधला वहाँ
हर अंग खुलता यहाँ अब मैं भी उसी दर पे आया
बनती सबकी बिगड़ी जहाँ झूठा जमीन आसमाँ
मेरा तो सब कुछ यहाँ अब मैं जाऊँ कहाँ
जब आस तो मालिक तुम्हीं मालिक, जय···
कहीं चैन मुझे मिलता नहीं, हो मिलता नहीं
अरे दिन के उजाले में खोया मेरे दिल का टुकड़ा कहीं
मुझ में भी है तेरी छाँव न मुल्क जाऊँ न गाँव
दे दे मेरे बच्चे को पाँव···

आरती करो हरिहर की

फिल्म : नाग पंचमी

आरती करो हरिहर की करो नटवर की
भोले शंकर की, आरती करो शंकर की
सिर पर शशि का मुकुट संवारे तारों की पायल झंकारे
धरती अम्बर डोले तांडव लीला से नटवर की
आरती करो शंकर की···
फणि नाग के कुण्डलवाले शम्भु हैं जग के रखवाले

सकल चराचर डगमग नाचे उंगली पर विषधर की
आरती करो शंकर की···
महादेव जय जय शिवशंकर जय गंगाधर जय डमरूधर
हे देवों के देव मिटाओ तुम विपदा घर घर की
आरती करो शंकर की···

शिव शंकर भोले भाले

फिल्म : हर हर महादेव

शिव शंकर भोले भाले भक्तों के रखवाले
तुमको लाखों प्रणाम तुमको मेरा प्रणाम
तुमने ये संसार बनाया सभी तुम्हारी माया छाया
सर्पों की माला वाले कैलाश पर्वत वाले
तुमको लाखों प्रणाम···
तुम जल थल में तुम अम्बर में तुम हो नगर नगर में
तुम ही लहर लहर स्वर में कहाँ नहीं तुम जगभर में
डमरू के बजाने वाले दुष्टों को मिटाने वाले
तुमको लाखों प्रणाम···
हर हर हर महादेव का नारा नर नारी घर-घर का प्यारा
दीप तुम्हारा तेल तुम्हारा दुनिया में सब खेल तुम्हारा
हे खेल खिलाने वाले त्रिभुवन को बचाने वाले
तुमको लाखों प्रणाम···

ईश्वर सत्य है सत्य ही शिव

फिल्म : सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

ईश्वर सत्य है, सत्य ही शिव है, शिव ही सुन्दर है
जागो उठकर देखो, जीवन ज्योति उजागर है
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्
राम अवध में, काशी में शिव, कान्हा वृन्दावन में
दया करो प्रभु, देखूँ इनको हर घर के आँगन में
राधा मोहन शरणम्—सत्यम् शिवम् सुन्दरम्
एक सूर्य है, एक गगन है, एक ही धरती माता
दया करो प्रभु, एक बने सब, सबका एक सा नाता
राधा मोहन शरणम्—सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

भोले नाथ से निराला

फिल्म : हर हर महादेव

भोलेनाथ से निराला गौरीनाथ से निराला कोई और नहीं
ऐसी बिगड़ी बनाने वाला कोई और नहीं
उनका डमरू डम डम बोले आगम निगम के भेद खोले
ऐसा भक्तों का रखवाला कोई और नहीं
काया देव करवट बदले पाप चमकते अगले पिछले
ऐसे भक्तों का रखवाला कोई और नहीं
तुमने जग का कष्ट मिटाया मुझको स्वामी क्यों बिसराया
अब तो मुझको बचाने वाला कोई और नहीं

ओ दुनिया के मालिक राम तेरी

फिल्म : हर हर महादेव

ओ दुनिया के मालिक राम तेरी मरजी के हम हैं गुलाम
तुम्हें लाखों प्रणाम कोटि कोटि प्रणाम, तेरी···
तेरी इच्छा से हम जग में आए
सदियों से चलता है ये आना जाना
ये जीने मरने के काम ओ···
चाहे जिता दे चाहे हरा दे तू जिसमें राजी हम उसी में राजी
तेरा सुख भी कबूल तेरा दुःख भी कबूल
जो भी देना हो दे दे इनाम ओ
तेरे हुक्म पर झुकता सारा मुट्ठी ब्रह्मांड
तुझपे किसी का भी काबू नहीं तेरे हाथों में सबकी लगाम

कंकर-कंकर से मैं पूछूँ

फिल्म : हर हर महादेव

कंकर-कंकर से मैं पूछूँ शंकर मेरा कहाँ है कोई बताए
शिखर-शिखर पूछ रही हूँ शंकर मेरा कहाँ है कोई बताए
लहर-लहर लहराती गंगे तू क्यों गाती गाने
शिवजी हमसे रूठ गए हैं क्या यह बात न जाने
रो-रो नैन गँवाए···
ओ नीलगगन चन्द्रकला तू रहती उसके पास भला
मेरा कहाँ गया प्रीतम बतला मेरी बिगड़ी कौन बनाए
हौले-हौले चल फणीधर हौले-हौले चल

तू लिपटेगा गले स्वामी के मैं चरणों में रह लूँ
मेरा धन्य जीवन हो जाए, कोई बताए

आ गई महाशिवरात्रि

फिल्म : शिवरात्रि

आ गई महाशिवरात्रि पधारो शंकर जी हो पधारो शंकर जी
आरती उतारो पार उतारो शंकर जी हो उतारो शंकर जी
तुम तन-मन में हो मन-मन में नाम तेरा
हे नीलकंठ है कंठ-कंठ में नाम तेरा
हो वेदों के देव जगत के प्यारे शंकर जी आ गई···
तुम राजमहल में तुम ही भिखारी के घर में
धरती पे तेरे चरण मुकुट है अम्बर में
संसार तुम्हारी एक हमारी शंकर जी आ गई
तुम दुनिया बसाकर भस्म रमाने वाले हो
पापी के भी रखवाले भोले भाले हो
दुखियों में भी दो दिन तो गुजारो शंकर जी आ गई···
क्या भेंट चढ़ाया निर्धन का घर सूना है
ले लो आँसू ये गंगा जल का नमूना है
हो आकर के नैन में चरन पखारो शंकर जी आ गई···

देव वहीं पर रुक जाना

फिल्म : नाग पंचमी

ओ नाग कहीं जा बसियो रे मेरे पिया को न डसियो रे
नीलगगन में तारे सोए यहाँ नैन मतवारे
अब तो जन्म जन्म भर मेरे नैना रखवारे
ओ देव यहाँ से हटियो रे मेरे पिया को ना डसियो रे
फूल के जैसा मेरा प्रीतम मैं प्रीतम की छाया
मधुर मिलन की आधी रात को विष भरने क्यों आया
पाप कभी ना करियो रे मेरे पिया को ना···
आज हमारी सुहागरात है हँसकर भोर करेंगे
डसना है तो डस दोनों को हम एक साथ मरेंगे
तू चैन से आके बसियो रे, मेरे पिया को ना···

श्री गंगा भक्ति के गीत

मानो तो मैं गंगा

फिल्म : गंगा की सौगन्ध

मानो तो मैं गंगा माँ हूँ ना मानो तो बहता पानी-2
जो स्वर्ग ने दी धरती को-2 मैं हूँ प्यार की वही निशानी
युग-युग से मैं बहती आई नीलगगन के नीचे-2
सदियों से ये मेरी धारा प्यार की धरती सींचे
मेरी लहर-लहर पे लिखी है-2 इस देश की अमर कहानी
हरिओम··अल्ला ओ अकबर अल्ला-2

कोई वजू करे मेरे जल से-2 कोई सूरत को नहलाये
कहीं धोबी कपड़े धोए कहीं पण्डित प्यास बुझाये
ये जात पात के झगड़े-2 इन्सान की है नादानी…
गौतम अशोक अकबर ने यहाँ प्यार के फूल खिलाए
तुलसी गालिब मीरा ने यहाँ ज्ञान के दीप जलाये
मेरे तट पर आज भी गूँजे-2 नानक कबीर की बानी
मानो तो…मानो तो…

ओ गंगा ओ गंगा मैया

फिल्म : चन्दन का पलना

ओ गंगा ओ गंगा मैया
पार लगा दे मेरी सपनों की नैया, ओ गंगा मैया
मुझसे किनारों ने आँख चुराई
अब इसी में बस मेरी भलाई
मुझको डुबो ही दे मेरे खिवैया, ओ गंगा मैया…
गुजरे इधर से कभी काली-काली घटाएँ
माँ तेरी ममता की देंगी दुआएँ
दुनियादारी आँगन की सूखी ठलय्या, ओ गंगा मैया…
जिस लिए नैना तरस रहे हैं
सावन भादों से बरस रहे हैं
संदेश लेके वो आये पुरवैया ओ गंगा मैया…
सूना पड़ा है चन्दन का पलना
पलने में झूले एक चन्दा सा ललना
जैसे यशोदा का कृष्ण कन्हैया, ओ गंगा मैया…

गंगा आये कहाँ से गंगा जाए कहाँ रे

फिल्म : काबुली वाला

गंगा आये कहाँ से गंगा जाए कहाँ रे
गंगा आए कहाँ से जाए कहाँ रे
लहराये पानी में जैसे धूप छाँव रे
रात कारी दिन उजियारा मिल गए दोनों साए
सांझ न देखो रंग रूप के कैसे भेद मिटाए रे
काँच कोई माटी कोई रंग-बिरंगे प्याले
प्यास लगे तो एक बराबर जिसमें पानी डाले रे
नाम कोई बोली कोई, लाखों रूप और चेहरे
खोल के देखो प्यार की आँखें सब तेरे सब मेरे

पतित पावनी गंगा

फिल्म : गंगा सागर

पतित पावनी गंगा पाप नाशिनी गंगा
मुक्तिदायिनी गंगा मुक्तिदायिनी गंगा
सारे तीरथ बार-बार गंगा सागर एक बार
जहाँ मिली सागर से गंगा करे सौ रस्ते पार, गंगा…
तीर्थों में सर्वोत्तम जिसे माने ये संसार
राजा सगर ने अश्वमेध का यज्ञ रचाना चाहा
सारे भूमण्डल पर अपना राज चलाना चाहा रे
सिंहासन इन्द्र का डोला चोरी से घोड़े को खोला
हो हो ला बाँधा पाताल में उसको कपिल मुनि के द्वार

इस पृथ्वी का कोना-कोना ढूँढ़कर हारे जी
आखिर को पाताल में पहुँच पुत्र सागर के तारे जी
बैठे मुनि ध्यान लगाये साधो ने पत्थर बरसाये
हो कपिलमुनि के क्रोध में जल गए लड़के साठ हजार
अंशुमान ने कपिल मुनि की सेवा का फल पाया रे
श्राप दिया जिसने उसी ने मुक्ति का फल बतलाया रे हो
ब्रह्मा को शीश झुकाओ गंगा को धरती पर लाओ
हो गंगा का जल ही है इन सबकी मुक्ति का आधार
अंशुमान का और दिलीप का तप कुछ काम न आया रे
भागीरथ हुआ तपकर सोना ब्रह्मा के मन भाया रे
भागीरथ ने शंकर को साधा शिवजी ने गंगा को बाँधा
आगे-आगे भागीरथ पीछे गंगा धार
इन गंगासागर के तट से कोई गया न प्यासा रे
हम यही चाहे जीते जी भरते हो इसी जल में वासी रे
गंगा तो पापों को धोती रे फिर मैली न होती
हो इस गंगासागर ने लाखों को दिया तारा
गंगासागर गंगासागर चलो-चलो भई गंगासागर
एक बरस में बस एक दिन वहाँ भारी मेला लागे जी
गंगासागर तट वही पहुँचे जिसकी किस्मत जागे जी
दुखों से पीड़ित नर नारी होते हर सुख के अधिकारी
हो जनम-जनम पाप करे इस जल में डुबकी मारे

ओ मंगल भवन अमंगलहारी

फिल्म : गीत गाता चल

ओ मंगल भवन अमंगलहारी। द्रवहु सो दशरथ अजर बिहारी॥
राम सिया राम सिया राम···
होई है वही जो राम रचि राखा। को करि तर्क बढ़ावे शाखा॥
राम सिया राम सिया राम···
धीरज धरम मित्र अरू नारी। आपत काल परखिए चारी॥
राम सिया राम सिया राम···
जेहि के जेहि पर सत्य सनेहू। सो तेहि मिलहि न कछु सन्देहू॥
राम सिया राम सिया राम···
जाकी रहि भावना जैसी। प्रभु मूरति देखी तिन वैसी॥
राम सिया राम सिया राम···
रघुकुल रीति सदा चलि आई। प्राण जायें पर वचन ना जाई॥
राम सिया राम सिया राम···
हरि अनन्त हरि कथा अनन्ता। कहहि सुनहि बहुविधि सब सन्ता॥
राम सिया राम सिया राम···

न मैं धन चाहूँ न रतन चाहूँ

फिल्म : काला बाजार

न मैं धन चाहूँ न रतन चाहूँ
तेरे चरणों की धूल मिल जाए
तो मैं तर जाऊँ श्याम तर जाऊँ हे राम तर जाऊँ···
मोहे मन मोहे लोभ ललचाए कैसे कैसे ये नाग लहराए

इससे पहले के दिल उधर जाए
मैं तो मर जाऊँ, क्यूँ न मर जाऊँ
लाए क्या थे जो ले के जाना है
नेक दिल ही तेरा खजाना है

साँझ होते ही पंछी यों गाए
अब तो घर जाऊँ, अपने घर जाऊँ
थम गया पानी जम गई काई
बहती नदिया ही साफ कहलाई

मेरे दिल ने ही जाल फैलाए
अब किधर जाऊँ, मैं किधर जाऊँ

मन तड़पत हरि दर्शन को आज

फिल्म : बैजू बावरा

मन तड़पत हरि दर्शन को आज
मेरे तुम बिन बिगड़े सगरे काज
विनती करत हूँ रखियो लाज, मन तड़पत हरि दर्शन को आज
तुम्हरे द्वार का मैं हूँ जोगी, हमरी ओर नजर कब होगी
सुनो मेरे व्याकुल मन का राज, मन तड़पत हरि दर्शन को आज...
बिन गुरु ज्ञान कहाँ से पाऊँ, दीजे ज्ञान हरि गुण गाऊँ
सर्व मुनिजन पे तुम्हारा राज, मन तड़पत हरि दर्शन को आज...

ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल

फिल्म : मशाल

ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल
बीच में धरती वाह रे मालिक तूने किया कमाल
ऊपर गगन विशाल...

एक फूँक में रच दिया, तूने सूरज अग्नि का गोला
एक फूँक में रचा चन्द्रमा, लाखों सितारों का टोला
तूने रचाया पवन झकोला, ये पानी और ये शोला
रे बादल का उड़न खटोला जिसे देख हमारा मन डोला
सोच सोचकर करे अचम्भा नजर न आता एक भी खम्बा
फिर भी यह आकाश खड़ा है हुए करोड़ों साल
मालिक तूने किया कमाल...

तूने रचा है एक अद्भुत प्राणी जिसका नाम इंसान
इस जन्म में इंसान के दिल को कौन सका पहचान
इसमें ही शैतान छुपा है इसमें ही भगवान्
बड़ा गजब का है ये खिलौना इसकी नहीं मिसाल
मालिक तूने किया कमाल...

विभिन्न भक्ति गीत

बड़े प्यार से मिलना

फिल्म : सती अनसुइया

बड़े प्यार से मिलना सबसे दुनिया में इन्सान रे
क्या जाने किस भेष में बाबा मिल जाये भगवान रे
बड़े प्यार से मिलना सबसे···

कौन बड़ा है कौन है छोटा ऊँचा कौन है नीचा
प्रेम के जल से सबको सीचा यह है प्रभु का बगीचा
मत खींचो तुम दीवारें मत खींचो
तुम दीवारें इन्सानों के दरम्यान रे, बड़े प्यार से मिलना···

ओ महन्त जी, ओ महन्त जी
तुम महन्त जी खोज रहे उन्हें मोती की लड़ियों में प्रभु को
कभी उन्हें ढूँढ़ा है क्या भूखों की अन्तड़ियों में
दीनजनों के अंसुअन से क्या कभी किया है स्नान रे, क्या
क्या जाने कब श्याम मुरारी आ जाए बन के भिखारी
लौट जाए न कभी द्वार से बिना लिए कुछ दान रे

तोरा मन दर्पण कहलाये

फिल्म : काजल

तोरा मन दर्पण कहलाये
भले बुरे सारे कर्मों को देखे और दिखाए

तोरा मन दर्पण कहलाये···
मन ही देवता, मन ही ईश्वर, मन से बड़ा न कोय
मन उजियारा जब जब फैले जग उजियारा होय
इस उजले दर्पण में प्राणी धूल न जमने पाए
तोरा मन दर्पण कहलाये···
सुख की कलियाँ दुःख के काँटे मन सबका आधार
मन से कोई बात छिपे ना मन के नैन हजार
जग से कोई भाग ले चाहे, मन से भाग न पाए
तोरा मन दर्पण कहलाये···
तप की दौलत ढलती छाया मन का धन अनमोल
तन के कारण मन के धन को मत माटी में रोल
मन की कदर भुलाने वाला हीरा जन्म गँवाए
तोरा मन दर्पण कहलाये···

ऐ मालिक तेरे बंदे हम

फिल्म : दो आँखें बारह हाथ

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम ऐसे हों हमारे करम
नेकी पर चलें और बदी से टलें
ताकि हँसते हुए निकले दम, ऐ मालिक···
बड़ा कमजोर है आदमी, पर तू जो खड़ा है दयालु बड़ा
तेरी कृपा से धरती थमी, दिया तूने हमें जब जन्म
तू ही झेलेगा हम सबके गम, नेकी पर चलें और बदी से टलें
ताकि हँसते हुए निकले दम, ऐ मालिक···

ये अन्धेरा घना छा रहा, तेरा इन्सान घबरा रहा
हो रहा बेखबर, कुछ न आता नजर
सुख का सूरज छिपा जा रहा है तेरी रोशनी में जो हो दम
तो अमावस को कर दे पूनम, नेकी पर चलें और बदी से टलें
ताकि हँसते हुए निकले दम, ऐ मालिक···

जब जुल्मों का हो सामना तब तू ही हमें थामना
वो बुराई करे हम भलाई करें, नहीं बदले की हो कामना
बढ़ उठे प्यार का हर कदम, और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर चले और बदी से टलें
ताकि हँसते हुए निकले दम, ऐ मालिक···

ईश्वर अल्ला तेरो नाम

फिल्म : नया रास्ता

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सम्मति दे भगवान
सारा जग तेरी सन्तान, ईश्वर अल्ला तेरे नाम
इस धरती पर बसने वाले हैं
तेरी गोद के पाले हैं, कोई न नीच कोई महान्
ईश्वर अल्लाह तेरे नाम···

ना तो नस्लों के बँटवारा छूटे कहाँ तेरा द्वारा
तेरे लिए सब एक समान, ईश्वर अल्ला तेरे नाम
जन्म का कोई भोल नहीं है, जन्म मनुष्य का तोल नहीं है
करम से है सबकी पहचान, ईश्वर अल्लाह तेरे नाम···

इन्साफ का मन्दिर है ये

फिल्म : अमर

इन्साफ का मन्दिर है ये भगवान का घर है
कहना है जो कह दे तुझे किस बार का डर है
है खोट तेरे मन में जो भगवान से है दूर
हैं खोट तेरे फिर भी तू आने से है मजबूर
हिम्मत है तो आ राह में यह भलाई की उमर है
इन्साफ का मन्दिर है ये···

दु:ख दे के जो दुनिया से न इन्साफ करेगा
भगवान भी उसको न कभी माफ करेगा
यहाँ से चलो हर बात की दाता को खबर है
इन्साफ का मन्दिर है ये···

है पास तेरे जिसकी अमानत उसे दे दे
निर्धन भी है इन्सान मोहब्बत उसे दे दे
जिस दर पे सभी एक हैं बन्दे यह वह दर है
इन्साफ का मन्दिर है ये···

मायूस न हो हार के तकदीर की बाजी
प्यारा है वह काम जिसमें हो भगवान की राजी
दु:ख दर्द मिले जिसमें वही प्यार अमर है
इन्साफ का मन्दिर है ये···

ओ दुनिया के रखवाले

फिल्म : बैजू बावरा

ओ दुनिया के रखवाले सुन दर्द भरे मेरे नाले

आश निराश के दो रंगों से दुनिया तूने सजाई
नैया संग तूफान बनाया मिलन के साथ जुदाई
जा देख लिया हरजाई,
ओ लुट गई मेरे प्यार की नगरी, अब तो नीर बहा ले, ओ दुनिया...

आग बनी सावन की बरखा, फूल बने अंगारे
नागन बन गई रात सुहानी पत्थर बन गए तारे,
सब टूट चुके हैं सहारे
ओ जीवन अपना वापस ले ले, जीवन देने वाले, ओ दुनिया...

चाँद को ढूँढ़े पागल सूरज, शाम को ढूँढे सवेरा
मैं भी ढूँढ़ू उस प्रीतम को, हो न सका जो मेरा,
भगवान भला हो तेरा
ओ किस्मत फूटी, आस न टूटी, पाँव में पड़ गए छाले, ओ दुनिया...

महल उदास और गलियाँ सूनी, चुप-चुप हैं दीवारें
दिल क्या उजड़ा दुनिया उजड़ी, रूठ गई हैं बहारें
हम जीवन कैसे गुजारें
ओ मन्दिर गिरता फिर बन जाता, दिल को कौन सँभाले, ओ दुनिया...

देख तेरे संसार की हालत

फिल्म : नास्तिक

देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान
कितना बदल गया इन्सान कितना बदल गया इन्सान
सूरज न बदला, चाँद न बदला, न बदला रे आसमान
कितना बदल गया इन्सान
आया समय बड़ा बेढंगा आज आदमी बना लफंगा
कहीं पे झगड़ा कहीं पे दंगा नाच रहा नर होकर नंगा
छल और कपट के हाथों अपना बेच रहा ईमान
कितना बदल गया इन्सान
राम के भक्त रहीम के बन्दे रचते आज फरेब ये बन्दे
कितने ये मक्कार ये अन्धे देख लिए इनके भी धंधे
इन्हीं की काली करतूतों में, हुआ ये मुल्क मसान
कितना बदल गया इन्सान
जो हम आपस में न झगड़ते बने हुए क्यों खेल बिगड़ते
काहे लाखों घर ये उजड़ते क्यों बच्चे माँओं से बिछड़ते
फूट-फूट के क्यों रोते, प्यारे बापू के प्राण
कितना बदल गया इन्सान

अल्ला तेरो नाम ईश्वर

फिल्म : हम दोनों

अल्ला तेरो नाम, ईश्वर तेरो नाम
सबको सम्मति दे भगवान, अल्ला तेरो नाम···
इस धरती का रूप न उजड़े
प्यार की ठण्डी धूप न उजड़े
सबको मिले सुख का वरदान, अल्ला तेरो नाम
माँगों का सिंदूर न छूटे, माँ बहनों की आस न टूटे
देह बिना भटके न प्रान, अल्ला तेरो नाम
ओ सारे जग के रखवाले निर्बल को बल देने वाले
बलवानों को दे दे ज्ञान, अल्ला तेरो नाम

मन तड़पत हरि दर्शन को आज

फिल्म : बैजू बावरा

मन तड़पत हरि दर्शन को आज
हमारे तुम बिन बिगड़े सारे काज
विनती करती हूँ रखियो लाज
मन तड़पत हरि दर्शन को आज
तुम्हारे द्वार का मैं हूँ जोगी हमरी ओर नजर कब होगी
सुनो मेरे व्याकुल मन का राज
मन तड़पत हरि दर्शन को आज···
बिन गुरु ज्ञान कहाँ से लाऊँ दीजो ज्ञान हरि गुण गाऊँ
सर्व मुनिजन पे तुम्हारा राज
मन तड़पत हरि दर्शन को आज···

जोत से जोत जगाते चलो

फिल्म : सन्त ज्ञानेश्वर

जोत से जोत जगाते चलो, प्रेम की गंगा बहाते चलो
राह में जो आए दीन दुखी, उसको गले से लगाते चलो
जिसका न कोई संगी साथी ईश्वर है रखवाला
जो निर्धन है वह निर्धन है प्रभु का प्यारा
प्यार के मोती लुटाते चलो
आशा टूटी ममता रूठी छूट गया हर किनारा
बन्द करो मत द्वार दया का दे दो कुछ तो सहारा
दीप दया का जलाते चलो
छाया है चहुँ और अन्धेरा भटक गई है दिशाएँ
मानव बन बैठा दानव किसको व्यथा सुनायें
धरती को स्वर्ग बनाते चलो

तुझमें ईश्वर अल्लाह तुझ में जीजस पाया

फिल्म : नन्हा फरिश्ता

तुझमें ईश्वर अल्लाह तुझमें जीजस पाया
बच्चे में भगवान बच्चे में रहमान
बच्चा जीजस की जान
गीता इसमें बाईबल इसमें, है इसमें कुरान
बोलो बच्चा है महान जग में
मन्दिर मजिस्द और गिरजे में जिसका नूर समाया
एक नन्हीं-सी जान छुपा करके वो अपने घर आया

पापी मन को पावन करती इसकी हर मुस्कान
ज्ञानी जग में फूट कराये बच्चा मेल कराये
हम जैसे भूले भटकों को सीधी राह दिखाये
दीन धर्म और जात पात का बच्चा भेद ना जाने
अपने को वह सबका समझे सबको अपना माने
ईश्वर को पाना चाहे तो बच्चों को पहचान

आना है तो आ राह में कुछ फेर नहीं है

फिल्म : नया दौर

आना है तो आ राह में कुछ फेर नहीं है
भगवान के घर देर है, अन्धेर नहीं है, आना है तो आ...
जब तुझसे न सुलझें तेरे उलझे हुए धन्धे
भगवान की इन्साफ पे सब छोड़ दे बन्दे
खुद ही तेरी मुश्किल को वो आसान करेगा
जो तू नहीं कर पाया वो भगवान करेगा, आना है तो आ...
कहने की जरूरत नहीं आना ही बहुत है
इस दर पे तेरा शीश झुकाना ही बहुत है
जो कुछ है तेरे दिल में सब उसको खबर है
बन्दे तेरे हर हाल पे मालिक की नजर है, आना है तो आ...
बिन माँगे भी मिलती है यहाँ मन की मुरादें
दिल साफ हो जिनका वो यहाँ आके सदा दे
मिलता है जहाँ न्याय वो दरबार यही है
संसार की सब से बड़ी सरकार यही है, आना है तो आ...

न मैं धन चाहूँ, न रतन चाहूँ

फिल्म : काला बाजार

न मैं धन चाहूँ, न रतन चाहूँ, तेरे चरणों की धूल मिल जाए
तो मैं तर जाऊँ, श्याम तर जाऊँ, हे राम तर जाऊँ
मोह मन मोहे लोभ ललचाए कैसे-कैसे ये नाग लहराए
इससे पहले के दिल उधर जाए
मैं तो मर जाऊँ, क्यूँ न मर जाऊँ
लाए क्या थे जो लेके जाना है नेक दिल ही तेरा खजाना है
साँझ होते ही पंछियाँ गाएँ
अब तो घर जाऊँ, अपने घर जाऊँ
थम गया पानी, जम गई काई, बहती नदिया ही साफ कहलाई
मेरे दिल ने ही जाल फैलाए
अब किधर जाऊँ, मैं किधर जाऊँ

प्रभु तेरा नाम

फिल्म : हम दोनों

प्रभु तेरा नाम
जो ध्याये फल पाये, सुख लाए तेरो नाम
तेरी दया हो जाए तो दाता
जीवन धन मिल जाए, मिल जाए
मिल जाए, सुख लाए तेरो नाम
तू दानी तू अर्न्तयामी
तेरी कृपा हो जाए तो स्वामी

हर बिगड़ी बन जाए, जीवन धन मिल जाए
खिल जाए मोरा सूना अँगना
मिल जाए मुरझाया कँगना
जीवन में रस आए, जीवन धन मिल जाए
मिल जाए सुख लाए तोरा नाम जो···

तू प्यार का सागर है

फिल्म : सीमा

तू प्यार का सागर है तेरी इक बूँद के प्यासे हम
लौटा जो दिया तूने चले जायेंगे जहां से हम
तू प्यार का सागर है
इधर झूम के गए जिन्दगी उधर है मौत खड़ी
कोई न जाने कहाँ है सीमा उलझन जान पड़ी
अब तू ही इसे समझा राह भूले थे कहाँ से हम
घायल मन का पागल पंछी उड़ने को है बेकरार
पंख है कोमल साँस है धुँधली जाना है सागर पार
जाना है सागर पार, कानों में जरा कह दे
कि आए कौन दिशा से हम, तू प्यार का सागर है

ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल

फिल्म : मशाल

ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल
बीच में धरती, वाह रे मालिक तूने किया कमाल

ऊपर गगन विशाल
एक फूँक में रच दिया तूने, सूरज अगन का गोला
एक फूँक में रचा चन्द्रमा, लाखों सितारों का टोला
तूने रचाया पवन झकोला, ये पानी और ये शोला
रे बादल का उड़न खटोला, जिसे देख हमारा मन डोला
सोच सोचकर करें अचम्भा, नजर न आता एक भी खम्बा
फिर भी ये आकाश खड़ा है, हुए करोड़ों साल
मालिक तूने किया कमाल···
तूने रचा एक अद्भुत प्राणी, जिसका नाम इन्सान
जिसकी नन्हीं जान के भीतर, भरा हुआ तूफान
इस जन्म में इन्सान के दिल को, कौन सका पहचान
इसमें ही शैतान छुपा है, इसमें ही भगवान
बड़ा गजब का है ये खिलौना, इसकी नहीं मिसाल
मालिक तूने किया कमाल···

लाखों तारे भरे गगन में

फिल्म : नरसी भगत

लाखों तारे भरे गगन में सबकी एक ही शान
कौन है ऊँचा कौन है नीचा कर्मों से पहचान
वैष्णव जन तो तेने कहिये, पीर पराई जाने रे
पर उपकार करे फिर भी जो मन अभिमान न माने रे
छोड़ बुराई करे भलाई तजे परनिन्दा
सकल चराचर, समझ बराबर रहे धर्म पर जिन्दा
भूल जानकर करे न लालच, दया करे अनजान रे, वैष्णव जन···

ना कोई छोटा, ना कोई खोटा हरि के सभी खिलौने
जिसके मन में भेद न जन्में उसके श्याम सलौने
पिंजरा छोड़ उड़े जब पंछी क्या अपने बेगाने रे, वैष्णव जन…
झूठ न बोले सत्य को तोले मीठी बोली बोले
ऊँच नीच का भेद न रखे, मन की आँखें खोले
धन्य उसकी माता जग में जो हरि को पहचाने रे
वैष्णव जन तो तेने कहिये…

हो ऊपर वाले रे अजब तेरी माया

फिल्म : हिमालय से ऊँचा

हो ऊपर वाले रे अजब तेरी माया
तेरा भेद किसी ने नहीं पाया
जाको राखे तू साई उसकी छू न सके कोई छाया
जिसका तू खिवैया उसकी तो नैया तूफान में भी मिलेगी
जिसका तू हो माली वो फूलों की डाली पतझड़ में भी खिलेगी
किसी को मारे किसी को तारे तेरे खेल निराले—ऊपर
जीवन का देना और जीवन का लेना हाथों में है ये उसी के
कोई माने या न माने यह मौत के बहाने मारे कर्म, आदमी के…
अरे देर नहीं अन्धेर नहीं तेरे न्याय निराले—ऊपर
आज का इन्सान बन गया शैतान सितम नए-नए ढाये
लालच में अन्धा ये तेरा बन्दा शैतान को शरमाये
अरे इनसे तो है हैवान ही अच्छे प्यार निभाने वाले—ऊपर

देखो ओ दीवानो तुम ये काम न करो

फिल्म : हरे राम हरे कृष्ण

देखो ओ दीवानो तुम ये काम न करो
राम का नाम बदनाम न करो, बदनाम न करो
राम को समझो कृष्ण को जानो नींद से जागो ओ मस्तानो
जीत लो मन को पढ़कर गीता मन भी हारा सो क्या जीता
क्या जीता हरे कृष्णा हरे कृष्णा हरे राम हरे राम
जीवन को नशे का तुम गुलाम न करो
राम ने हँसकर सब सुख त्यागे तुम सब दुःख से डर के भागे
कृष्ण ने कर्म की रीत दिखाई तुमने फर्ज से आँख चुराई
राम दुहाई हरे कृष्णा हरे राम
जीवन नाम है काम का आराम न करो
राम का नाम बदनाम न करो बदनाम न करो

हम पापी तू बख्शनहार

फिल्म : साहब बहादुर

हम पापी तू बख्शनहार हमरे अवगुण चित्त न धरिए
आन पड़े तेरे द्वार हम पापी तू बख्शनहार
सुख में तुझको भूल गया था
दुःख में तोहार याद आई हमें माँ माँ
अपने भक्त की हर उलझन तूने सदा सुलझाई है माँ
तेरी दया से कभी न खाली हो अपने भण्डार
कैसे अपने मन की पीड़ा माता तुझे सुनाये

बालक की गोदी माँ ही जाने
कैसे तुझे समझाए हे माँ
आए हैं हम शरण तिहारी राखो लाज हमारी

भगवान दो घड़ी जरा इन्सान बनके देख

फिल्म : बहार

भगवान दो घड़ी जरा इन्सान बनके देख
धरती पे चार दिन कभी मेहमान बनके देख
भगवान दो घड़ी···
है जिनको तेरी याद कभी उनकी ले खबर
ओ आसमान वाले गरीबों पे कर नजर
दिल में किसी गरीब के अरमान बनके देख
भगवान दो घड़ी···
जो कुछ भी हो रहा है वो तेरी नजर में है
ओ देख मेरी लाज की नैया भंवर में है
सब जानते हुए भी न अनजान बनके देख
भगवान दो घड़ी···
तुझको खबर नहीं कोई कितना निराश है
तिनके की डूबते को ओ मालिक तलाश है
इन्सान बन न सके तो भगवान बनके देख

मैं कहता डंके की चोट पर

फिल्म : हरि दर्शन

मैं कहता डंके की चोट पर ध्यान से सुनियो लाला
अपना हरि है हजार हाथ वाला
हो दीन-दयाला, हरि है हजार हाथ वाला
क्या कहना समरथ साई का, क्या से क्या कर डाला
अपना हरि है हजार हाथ वाला
कोरस—वो दीन-दयाला हरि है हजार हाथ वाला
ओ कौन बटोरे कंकर पत्थर जब हाथ में हीरा
कंचन सदा रहेगा कंचन और कथीरा कथीरा
साँच के आगे झूठ का निकला हरदम वहाँ दिवाला
कोरस—वो दीन-दयाला हरि है हजार हाथ वाला
हो कोई झुका नहीं सकता जग में अपने प्रभु का झंडा
जो उसको छेड़ेगा उसके सिर पे पड़ेगा डंडा
युगों-युगों से इस धरती पर उसी का है बोलबाला
कोरस—ओ दीन-दयाला हरि है हजार हाथ वाला
ओ दीन-दयाला है रखवाला
कोरस—वो दीन-दयाला है रखवाला क्या मारेगा मारने वाला
क्या मारेगा मारने वाला
सब—वो दीन-दयाला है रखवाला दीन-दयाला
वो दीन-दयाला है रखवाला दीन-दयाला

जो मिलना है भगवान से

फिल्म : बन्धन

जो मिलना है भगवान से तो मिल पहले इन्सान से
कैसे दर्शन देगा मालिक बिन पूछे दरबान से
झूठे भेद के बन्धन और ये ऊँच-नीच की दीवारें
प्रभु से कैसे मिलने देंगी तुझे बीच की दीवारें
तूने खुद मुश्किल कर डाले ये रस्ते आसान से
कैसे दर्शन देगा···

लाख चतुर तू बने मगर वह सबसे बड़ा सयाना है
अपना ऐब छुपाकर बुनता जग का ताना बाना है
चतुराई न भाए उसे वह प्यार करे अनजान से
कैसे दर्शन देगा···

उसका होना है जो तुझको बन्दों का तू हो जा
अपना आप मिटा दे मूर्ख और उसी में खो जा
नीचा सिर वह काम निकाले जो न निकले मान से
कैसे दर्शन देगा···

क्या मिल गया भगवान

फिल्म : अनमोल घड़ी

क्या मिल गया भगवान तुम्हें दिल को दुःखा के
अरमानों की नगरी में मेरी आग लगा के
हम सोचते थे कभी दिल-दिल से मिलेंगे
जीवन में मोहब्बत के फूल खिलेंगे

ये क्या थी खबर तुझको न आयेगी दया भी
रख दोगे किसी दिन मेरी दुनिया को मिटा के
अरमानों की नगरी में···

आकाश ही दुश्मन नहीं दुश्मन है जमीं भी
दुःख दर्द के मारों को नहीं चैन कहीं भी
इस जीने से अब मौत भी आ जाए तो अच्छा
अब छूट गया हाथ उनका मेरे हाथ में आके
अरमानों की नगरी में···

मालूम न था खाक में मिल जायेंगे एक दिन
खुद अपनी हम आग में जल जायेंगे एक दिन
तुमसे तो उम्मीद न थी जग के खिवैया
नैया को डुबो दोगे किनारे पे ही लाके
अरमानों की नगरी में···

श्रद्धा रखो जगत के लोगों

फिल्म : हरि दर्शन

श्रद्धा रखो जगत के लोगों अपने दीनानाथ में
लाभ हानि जीवन और मृत्यु सब कुछ उसके हाथ में
मारने वाला है भगवान, बचाने वाला है भगवान
बाल न बांका होता उसका जिसका रक्षक दयानिधान
मारने वाला है भगवान, बचाने वाला है भगवान
त्याग दो रे भाई फल की आशा स्वार्थ प्रीति तोड़ो
कल क्या होगा इसकी चिन्ता जगत पिता पर छोड़ो

क्या होनी है क्या अनहोनी सबका उसको ज्ञान
मारने वाला है भगवान, बचाने वाला है भगवान
जल थल अगन आकाश पवन पर केवल उसकी सत्ता
प्रभु इच्छा के बिना यहाँ पर हिल न सके इक पत्ता
उसी का सोचा यहाँ पर होता उसकी शक्ति महान
मारने वाला है भगवान, बचाने वाला है भगवान
दयानिधान! भगवान! दयानिधान! भगवान

सोचने को लाख बातें सोचे इन्सान

फिल्म : बाप बेटे

सोचने को लाख बातें सोचे इन्सान
होंगी वही पूरी जिसे चाहे भगवान, सोचने को···

होनी के हाथ में तू एक खिलौना है
उसने जो सोच लिया बस वही होना है
तुझको गिराए वही और उठाए वही
बेजान तू है नादान···
जो कुछ भी है सब उम्र का तमाशा है
आशा कहीं पे तो कहीं पे निराशा है
रखे अधूरे कभी कर भी दे पूरे कभी
जिसके चाहे वह अरमान, सोचने को

अजब तेरी कारीगरी रे करतार

फिल्म : दस लाख

अजब तेरी कारीगरी रे करतार
समझ न आए माया तेरी, बदले रंग हजार, अजब तेरी···
देने वाले तूने यह घर खुशियों से भर डाला
तेरी दया ने पल में दाता क्या से क्या कर डाला
तू सबसे बड़ा है दानी, तेरी लीला किसने जानी
जग सोच-सोच गया हार, अजब तेरी···
छोटा सा संसार हमारा स्वर्ग बनाए रखना
इस बगिया में सदा खुशी के फूल खिलाए रखना
चाहे राजा हो या भिखारी तूने विपदा सबकी टारी
अरे वाह रे पालनहार, अजब तेरी···

सब सुनो खोलकर कान

फिल्म : चक्रधारी

सब सुनो खोलकर कान आज मैं बेच रही भगवान
है कोई लेने वाला
इन्होंने छोड़ के महल की धूमधाम जंगल किया मुकाम
करने को लोक कल्याण दुष्ट रावण को मारा बाण
है कोई लेने वाला, बोलो रे भाई बोलो लाला
भाँति-भाँति के देवों से सजी मेरी दुकान, आज मैं···
देखो गणेश दुःखहारी मूसे पर करे सवारी
क्या जोड़ी बनी है प्यारी एक दुबला एक भारी

करले इनसे पहचान आये भोजन भुट्टे महान
बमक-बमक बम्ब देखो यह बम्ब-बम्ब भोला
इतना है साँप का टोला जब खाए भंग का गोला
जब आया पेड़ हिंडोला
है भस्म अंग सिर पर है गंग करता रंग गिरजा के संग
देखो शंकर की शान है कोई लेने वाला
मैं लाई नन्द का एक माखन चोर कन्हैया
नट नागर रास रचैया नित नाचै ताता थैया
मुरली पे ये छेड़ता तान अरे काला कान्हा है, कोई
देखा बजरंग ये बंका जिसने जलाई लंका
सारे जग में बजाए डंका मत करना कोई शंका
है बहुत बड़ा बलवान अरे ये राम भक्त हनुमान है कोई···
एक अयोध्या धाम वहाँ राजा है ये राम
कौशिल्या थी इनकी माता, पिता का दशरथ नाम
सब सुनो···

दुनिया न भाये मोहे

फिल्म : बसंत बहार

दुनिया न भाये मोहे अब तो बुला ले चरणों में
मेरे गीत मेरे संग सहारे कोई न मेरा संसार में
दिल के ये टुकड़े कैसे बेच दूँ दुनिया के बाजार में
मन के ये मोती रखियो तू सँभाल चरणों में चरणों में
सात सुरों के सातों सागर मन की उमंगों से जागे
तू ही बता मैं कैसे गाऊँ बहरी दुनिया के आगे

तेरी ये वीणा अब तेरे हवाले चरणों में
मैंने तुझे कोई सुख न दिया तूने दया लुटाई दोनों हाथों से
तेरे प्यार की याद जो आये दर्द छलक जाये आँखों से
जीना नहीं आया मोहे अब तो छुपा ले चरणों में

दाता तुम तो दे चुके

फिल्म : चक्रधारी

दाता तुम तो दे चुके मिले भक्त के साथ
लेकिन इन हाथों का खिलौना रख लिया अपने पास
खूब ये खेला खेल खूब चले तुम चाल
जगत के दानी तुम भी निकले बड़े कंगाल
तुम प्रभु दिल के बड़े ही कठोर निकले
मैं समझती थी तुम बड़े दाता हो
दीन दुखियों के भाग्य विधाता हो
लेकिन तुम तो बड़े कमजोर निकले, चोरी···
न तो ली कुछ खबर न दिया कुछ पता
बिना बताए ही चल दिए तुम देवता
बड़े छलियों के तुम सिरमौर निकले, चोरी···
जब से तुमने मेरी लाज छीनी
हाय मुश्किल हुआ मेरा जीना, चोरी···

बना दे बना दे बना दे प्रभु जी

फिल्म : फागुन

बना दे बना दे बना दे प्रभु जी
तू बिगड़ी गरीब की बना दे प्रभु जी
ॐ नमो: शिवाय
गोरी के भोले शंकर आई तेरे दरबार
तुझे कसम है पार्वती की लुटे न मेरा प्यार
बना दे बना दे बना दे प्रभु जी तू बिगड़ी गरीब की
ओ बिगड़ी बना दे अजमेर वाले ख्वाजा
ओ अजमेर के नाजदार सुन ओ ख्वाजा चिश्ती
तू जब मेरा खिवैया ख्वाजा फिर क्यों डूबे किश्ती
बना दे बना दे प्रभु जी तू बिगड़ी गरीब की

क्या तुझको नहीं आती है

फिल्म : चक्रधारी

क्या तुझको नहीं आती है भगवान जरा लाज
ये देख तेरे राज में हम लुट गये हैं आज
एक बदनसीब माँ की तो ममता हुई मोहताज ले देख रे...
अब किसके संग खेलेंगे हम दौड़-दौड़ के
तूने तो रख दिया खिलौना ही तोड़ के
ये क्या किया तूने अरे संसार के सरताज ले देख...
लाखों मुसीबतें पड़ी भक्तों के जन पे
और चैन से सोया करे तू आसमान पे
ऐसा तो नहीं था कभी मालिक तेरा रिवाज ले देख...

अब कैसे बता जिए बिन अपने लाल के
तू ले गया हमारा कलेजा निकाल के
डूबा है हमारा तो किनारे ही पे जहाज ले देख...

जन्म जन्म के फेरे

फिल्म : जन्म जन्म के फेरे

जन्म जन्म के फेरे जन्म जन्म के फेरे
साँझ सवेरे सब को घेरे इनमें ना कोई बचे रे ये हैं
जन्म जन्म के फेरे...
मथुरा जा वृन्दावन जा चाहे फेरा लगा ले काशी का
सब कुछ सहना पड़े बन्दे चक्कर है लाख चौरासी का
माया मोह ये घेरे कब लोभ मोह के अन्धेरे...
दुनिया की दोरंगी माया उठे कभी ढले
भोर भये शहनाई बाजे साँझ ढले तो चिता जले
जिन्हें कहता है मेरे आज उन सबसे मुखड़े फेरे
देखो ज्ञान का दीप जला
इस दीपक के उजियारे में आज मुसाफिर कहाँ चला
प्रभु की अमर लगन में पला मगन भजन के साँचे ढला
इस दीपक के आगे कौन जला
कृष्णम् शरणम् गच्छामी कृष्णम् शरणम् गच्छामी
मिटते अज्ञान अन्धेरे छलबल के जाल घनेरे...
धन्य धन्य भारत की नारी तेरी आज अजब कहानी
होठों में मुस्कान है तेरे नैनों में. है पानी
पति को दे फूलों की माला स्वयं लगाये प्याला

उन्हें पिलाए अमृत आप खुद लिए जहर का प्याला
ये त्याग और तप तेरे मानव को मोह से फेरे
इन फेरों के घेरों की जंजीर कभी न टूटे
जनम मरण की भूल भुलैया इससे कोई न छूटे
जोग करो या राख मलो और जप तप हैं सब हैं झूठे
करम को अपना धर्म जो समझे उसी का बन्धन टूटे
जब मुरली श्याम की टेरे तब छूटे जग के बसेरे

आज अचानक रूठ के मुझसे

फिल्म : चक्रधारी

आज अचानक रूठ के मुझसे चले गए भगवान
कोई मेरी मदद करो रे आँधी और तूफान
प्रभु मनमानी कर सकते हैं बन सकते हैं पाषाण
कैसे पत्थर बनूँ कहो मैं दुर्बल इन्सान
बोल हे जमीं बोल आसमान
रोको रोको रास्ता दिशाओ की दीवार
बन्द सारी राह करो गगन के द्वार
प्रभु के पगों पर पड़ो चाँद सितारे
जाने न पाए करुणानिधान, बोलो हे···
कैसा नसीब ने दिन यह दिखाया
सब कुछ पा के कुछ भी न पाया
पड़ा रह गया नदी किनारे में प्यासे का प्यासा
कैसा है कठोर ये विधि का विधान, बोलो हे···

बावरे हुए हैं मेरे मान कोई तो राखो रे मेरी आन
जिन्दगी आज परेशान है दुनिया है वीरान
बोलो हे जमीन बोलो हे आसमान

माया का आँचल ले चले

फिल्म : किनारे किनारे

माया का आँचल ले चले काया का अभिमान
जो आया वह जाएगा होनी है बलवान
ओ पगले देर न होगी पल छिन की
जिस दिन चल-चल-चल होगी, ओ पगले···
जिस जग पर भरमाया मूरख पल दो पल का डेरा
यह दुनिया कब हुई किसी की चिड़िया रैन बसेरा
याद तो कर उस दिन को जिस दिन चल चल चल होगी
ओ पगले···
टूटेगी जब साँस की डोरी बिखर जायेंगे सपने
तुझे उठा शमशान चलेंगे जो हैं अपने
धूल उड़ेगी जीवन की कि जिस दिन चल-चल-चल होगी
ओ पगले···

मन का अन्धियारा मिटा के अमर प्रकाश

फिल्म : जन्म जन्म के फेरे

मन का अन्धियारा मिटा के अमर प्रकाश
नयनों में दर्शन किए बुझी हृदय की प्यास

तन के तम्बूरे में दो साँसों के तार बोले
जै राधे श्याम जै सियाराम अब तो इस मन के मन्दिर में
प्रभु हुआ बसेरा मगन हुआ मन मेरा
छूटा जन्म-जन्म का फेरा
मन की मुरलिया में स्वर्ग का फेरा
जै राधेश्याम जै सियाराम
जय राधेश्याम जय सियाराम लगी लगन लीलाधारी से
जागी रे जगमग ज्योति राम नाम का हीरा पाया
श्याम राम की ज्योति लागी रे ऐसी ज्योति
प्यासी वो अंखियों में दो आँसुओं के तार बोलो

जिसके अच्छे भाग जगत में

फिल्म : अप्सरा

जिसके अच्छे भाग जगत में उसने देखे चारों धाम
जय शिवशंकर, जय मनमोहन, जय जय सियापति राम
जा पहुँची बद्रीनाराणन प्रभु प्रेम की प्यासी
हरि दर्शन से नाच उठा मन हो गई दूर उदासी
साईं तुझको बार-बार प्रणाम जय जय सियापति राम
अपने पिया को भूल सकी ना, उसके भाग निराले
चली दीवानी हरि गुण गाती पैरों में हैं छाले
पहुँची द्वारिका सब कुछ भूली, देख लिया सुबहो-शाम, जय···
भक्तों का मन नाच रहा है, बज रहा है, बज रहा है मृदंग
जय जय जय बोलो जगन्नाथ की, अजब तुम्हारे अंग
श्याम श्याम ही प्राण पुकारे, सुबहो शाम जय···

तूफानों में कूद गई वो राम बचाने वाला
राम नाम से पत्थर तैरे, वही बना रखवाला
उसको कौन डुबोने वाला, जिसका सहारा राम, जय···
जय जय रामेश्वर की, जय शिव पार्वती
रावण की शंकर की पूजा जय कैलाशपति
रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम

जो भी चाहे माँग ले भगवान

फिल्म : नया आदमी

जो भी चाहे माँग ले भगवान के भंडार से
कोई भी न जाये खाली हाथ इस दरबार से, जो भी···
जगत का रखवाला भगवान अरे इन्सान इसे पहचान, जगत का···
सबके सिर पर हाथ इसी का इसके हाथ करोड़
हरि नाम से मूरख प्राणी मन की डोरी जोड़, ओ प्राणी···
भूल के इसको भटक रहा क्यों डगर-डगर नादान, जगत का···
छोड़ शरण दुनिया के बन्दे प्रभु चरणों में आ जोड़
करने वाला करेगा न्याय मनकी विपत सुना
हो जायेगी राम नाम से हर मुश्किल आसान, जगत का···

घूँघट के पट खोल रे

फिल्म : रोशन

घूँघट के पट खोल रे तोहे पिया मिलेंगे
घट-घट में तोरे साईं बसत है कटु वचन मत बोल रे
तोहे पिया···

धन दौलत का गर्व न कीजै झूठा इनका मोह रे
जोग जतन से रंगमहल में पिया पायो अनमोल रे
तोहे पिया···
सूने मन्दिर दिया जलाकर आसन में मत डोल रे
तोहे पिया···
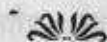
गंगा में नहीं जमना में नहीं

फिल्म : कृष्ण भक्ति

गंगा में नहीं जमना में नहीं, महलों में नहीं, कुटिया में नहीं
जहाँ याद करो भगवान वहीं, क्यों नाम न लेकर धन जोड़े
कौड़ी के लिए नाता तोड़े
सोने में नहीं चाँदी में नहीं, क्यों नाम न लेकर धन जोड़े
चुपके फेरो मन की माला
छुपके देखो मुरली वाला, जन्तर में नहीं मन्तर में नहीं
धरती में नहीं सागर में नहीं, पाताल गगन जल में थल में
मुस्कराता हुआ निकले पल में, मन्दिर में नहीं तीर्थों में नहीं
गीता में नहीं वेदों में नहीं

जिसकी समझ जैसा कुछ आया

फिल्म : कृष्ण भक्ति

जिसकी समझ जैसा कुछ आया तुझे पुकारे
भगवान तुझको हर मिट्टी की काया पुकारे

कोई कहे राम कोई श्याम
जो राधा का श्याम वो सिया वाले राम
पंछी की मीठी बोली में नाम तेरा है
जमना की चंचल धारा में धाम तेरा है
संसार बनकर तुझको तेरी माया पुकारे
अंधियारे में उजियाले का मेल मिलाया
धूप हो या छाँव हो मेरे श्याम की माया
इन्सान यहाँ माया में भरमाया, पुकारे
मालिक मेरे मन में, मन में आके छुपे अनजाने
भाव देख इन्सानों को भेद न मानो
जंजाल में जो भी पछताया

भज मन नारायण-नारायण

फिल्म : प्रभु की माया

भज मन नारायण-नारायण
ये जीवन कच्चा तार टूटते लगे न कुछ भी बार
पहन ले सेवा का तू हार तेरा हो जाए बेड़ा पार, भज मन···
जग की सेवा कहा धर्म है, दिल का दुखाना पाप कर्म है
परहित में तू प्राण गँवा दे वेदों का ये सार, पहन ले सेवा···
गुरु ज्ञान सबसे बढ़कर है, ये धन रहता सदा अमर है
सच्चा गुरु ढूँढ़ते तू वीणा की झनकार पहन ले सेवा···
तेरा बेड़ा हो जाए पार भज मन नारायण नारायण

जरा रखना भरोसा भगवान में

फिल्म : दशहरा

जरा रखना भरोसा भगवान में भरोसा भगवान में भरोसा
तेरी नैया चलेगी तूफान में, हो तेरा डंका बजेगा रे जहान में
हो तेरा झंडा उड़ेगा तेरा झंडा उड़ेगा आसमान में, जरा...
ये धरम का पथ है राही, यहाँ रोने की है मनाही
यहाँ सर को हथेली पे धरके, चलता जा प्रभु के सिपाही
सहता जा सितम सहता जा जुलम
झुकता जा धर्म की शान में तेरी नैया चलेगी तूफान में, जरा...
कभी धूप तो कभी छाया, ये तो है प्रभु की माया
ये खेल है बड़ा पुराना, जुग जुग से चलता आया
काँटों की डगर पर कर ले सफर हो कर ले सफर
न रहेगा कभी तू नुकसान में, तेरी नैया चलेगी तूफान में, जरा...
मत कर दुःख से दिल भारी, ना रहेगी सदा अन्धियारी
तेरी कोई न बिगाड़ सकेगा राम रक्षक वो चक्रधारी
मत करना फिकर प्रभु है जबर
बड़ा बल है उसके वरदान में तेरी नैया चलेगी तूफान में, जरा...

जग एक सागर जीवन है

फिल्म : श्री सत्यनारायण की महापूजा

जग एक सागर, जीवन है नैया, इसका खिवैया यही नाम
बोलो जी बोलो सत्यनारायण जय जय सत्यनारायण-2
हम सब को तारे-2 दुख से उबारे यही संवारे सारे काम

बोलो जी बोलो सत्यनारायण जय जय सत्यनारायण-3
इन चरणों में जो भी आये उसका जीवन सफल हो जाए
ये पत्थर को पारस कर दे ये काँटों में फूल खिलाए
इन्हें करो लाखों प्रणाम बोलो जी बोलो सत्यनारायण
जय जय सत्यनारायण-2
माता-पिता गुरु श्याम सखा रे सबका पालन हारा-2
भवसागर के भंवर में बन्धु रे हरि का नाम किनारा
प्रभु का नाम किनारा माया ठगनी ठग ना पाये-2
होठों पे जब हो ये नाम, बोलो जी बोलो सत्यनारायण
जय जय सत्यनारायण-2
आओ रे गाओ रे गाओ गाओ मिलके हरि का गुण गाओ
गाओ रे पूजा के फूल चढ़ाओ भक्ति के दीप जलाओ
झूठा सारा संसार यह जीवन का धार
यही रूप निराकार करे सपने साकार
द्वार प्रभु के शीश झुकाओ यहीं मिलेगा सुख का धाम
बोलो जी बोलो सत्यनारायण जय जय सत्यनारायण-2
दुःखभंजन नाम तेरा दुःख हरना काम तेरा
तू ही हर कष्ट निवारे जो चाहे सो माँगे
जो माँगे वो पाये जो चाहे प्रभु तेरे द्वारे
जय जय सत्यनारायण-2
नारायण हरि नारायण, नारायण हरि नारायण

कुछ प्रचलित भक्ति गीत

तेरे पूजन को भगवान्

तेरे पूजन को भगवान्, बना मन मन्दिर आलीशान।
करूँ कैसे पूजन भगवान्, नहीं मुझ को पूजा का ज्ञान॥
करें पूजा दुनिया के लोग, लगाते तुम्हें प्रेम से भोग।
चढ़ाते पुष्प पत्र पकवान, करूँ कैसे पूजन भगवान्॥
न मेरे मन में ऐसा चाव, न ऐसी पूजा का ही भाव।
चाहूँ मैं पूजा एक महान्, करूँ कैसे पूजन भगवान्॥
हमारी पूजन की जो टेक, निराली है दुनिया से एक।
ह्रदय दो का है एक मिलान, करूँ कैसे पूजन भगवान्॥
उसी की लगी हुई है चाह, न दूजी पूजा की परवाह।
मगर मैं हूँ उससे अनजान, करूँ कैसे पूजन भगवान्॥
तुम्हीं बतला दो उसका भेद, मिट जाए मेरे मन का खेद।
बने हर शब्द तुम्हारा गान, करूँ कैसे पूजन भगवान्॥

दुनियाँ बनाने वाले

दुनियाँ बनाने वाले, कैसी तेरी माया है।
कहीं बरसात, कहीं धूप, कहीं छाया है।
कहीं बरसात कहीं···
पर्वतों की चोटियाँ हैं, आसमाँ को चूमतीं।
रेशमी घटाएँ काली, पर्वतों पे घूमतीं।
कहीं चाँद सूरज, कहीं सागर को बनाया है।
कहीं बरसात कहीं···

गुजरते पलों की टोली, यह ही गुनगुना रही।
रुके न समय की गाड़ी, धीरे धीरे जा रही।
कल आज और कल का, तूने चक्कर क्या चलाया है।
कहीं बरसात कहीं···
अच्छे बुरे कर्मों की है, पूँजी सबके साथ में।
सभी वह खिलौने, जिनकी चाबी तेरे हाथ में।
नाचना पड़ा है, तूने जैसे भी नचाया है।
कहीं बरसात कहीं···
कौन सी जगह है खाली, कहाँ तेरा वास है।
कहीं तू नहीं है लेकिन, फिर भी सबके पास है।
किसी ने भी आजतक न, इस उलझन को सुलझाया है।
कहीं बरसात कहीं···

जीवन की रुलाती घड़ियों में

जीवन की रुलाती घड़ियों में, मिलता है तुम्हारा प्यार मुझे।
कुछ चाह न बाकी रहती है, प्रभु आके तेरे दरबार मुझे॥
मेरे दिल के गगन पर आके कभी, जब गम की घटा छा जाती है।
इक पल में कहीं से दया तेरी, तब बन के हवा आ जाती है॥
तुझे रक्षक सबका कहने में, फिर क्यों हो भला इन्कार मुझे।
प्रभु दर पे तेरे आने वाला, झोली अपनी भर लेता है॥
तेरे दर से प्रभु मैं क्या माँगू, बिन माँगे तू सब कुछ देता है।
जो तेरी इच्छा है दाता, हरदम है वही स्वीकार मुझे॥
जब तक मैं प्रभु दुनिया में रहूँ, बस एक मेरा यह काम रहे।
रहे प्यार तुम्हारी भक्ति में, चाहे जन्म मिले सौ बार मुझे॥

जिन्दगी में भूलकर

जिन्दगी में भूलकर न पाप कर,
हर घड़ी परमात्मा का जाप कर।
भक्ति शक्ति मुक्ति मिलती मोल न,
जितना भी करना है अपने आप कर॥ हर घड़ी...
भूल से हो जाए कोई पाप तो।
बैठकर कुछ काल पश्चाताप कर॥ हर घड़ी...
आयेगा परमात्मा तुझको नजर।
आईना दिल का तू पहले साफ कर॥ हर घड़ी...
राह में काँटे बहुत मन्जिल कठिन।
हर कदम चलना सम्भल कर नाप कर॥ हर घड़ी...

चदरिया झीनी रे झीनी

जब हम आये जगत् में, जग हँसा हम रोये।
ऐसी करनी कर चलो, हम हँसे जग रोये॥
चदरिया झीनी रे झीनी,
झीनी रे झीनी झीनी झीनी।
प्रभु नाम रस भीनी चदरिया,
चदरिया झीनी रे झीनी॥
अष्टकमल का चरखा बनाया,
पाँच तत्त्व की पूनी,
नौ-दस मास बुनन को लागे।
मूरख मैली कीनी; चदरिया,
चदरिया झीनी रे झीनी॥

जब मोरी चादर बन घर आई,
रंगरेज को दीनी।
ऐसा रंग रंगा रंगरेज ने,
कि लालो लाल कर दीनी; चदरिया,
चदरिया झिनी रे झीनी॥
चादर ओढ़ शंका मत करियो,
ये दो दिन तुम को दीनी।
मूरख लोग भेद नहीं जाने,
चदरिया झीनी रे झीनी॥

किसी के काम जो आए

किसी के काम जो आए, उसे इन्सान कहते हैं।
पराया दर्द अपनाए, उसे इन्सान कहते हैं॥
कभी धनवान् है कितना, कभी इन्सान निर्धन है।
कभी सुख है कभी दुःख है, इसी का नाम जीवन है।
जो दुःख में भी न घबराए, उसे इन्सान कहते हैं॥
यह दुनिया एक उलझन है, कभी धोखा कभी ठोकर।
कोई हँस-हँस कर जीता है, कोई जीता है रो-रो कर।
जो गिर कर फिर संभल जाए, उसे इन्सान कहते हैं॥
अगर गलती रुलाती है, तो यह राह भी दिखाती है।
बशर गलती का पुतला है, ये अक्सर हो ही जाती है।
जो गलती करके पछताए, उसे इन्सान कहते हैं॥

अकेले ही जो खा-खा कर, सदा गुजरान करते हैं।
यूँ भरने को तो दुनियाँ में, पशु भी पेट भरते हैं।
जो सबको बाँट कर खाए, उसे इन्सान कहते हैं॥

उठ जाग मुसाफिर भोर भई

उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है,
जो जागत है सो पावत है, जो सोवत है सो खोवत है॥

टुक नींद से अंखियाँ खोल जरा, और अपने प्रभु से ध्यान लगा,
यह प्रीत करन की रीत नहीं, प्रभु जागत है तू सोवत है॥

जो कल करना सो आज करले, जो आज करना सो अब कर ले,
जब चिड़ियों ने चुग खेत लिया, फिर पछताये क्या होवत है॥

नादान भुगत करनी अपनी, ऐ पापी पाप में चैन कहाँ,
जब पाप की गठरी शीश धरी, फिर शीश पकड़ क्यों रोवत है॥

उस प्रभु की है कृपा बड़ी

उस प्रभु की है कृपा बड़ी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी।
घण्टी बज जाय कब कूच की, मौत हरदम सिरहाने खड़ी॥

किन्हीं शुभ कर्मों का फल है यह, तुझे मानव का चोला मिला,
जो आया है जायेगा वह, बन्द होगा न यह सिलसिला।
ग्रन्थों की कहती इक-इक कड़ी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी॥

जो करना है ले आज कर, कुछ खबर प्यारे कल की नहीं,
मानव जीवन को कर ले सफल, ढील दे इसमें पल की नहीं।
टूट श्वासों की जाय कब लड़ी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी॥

इस जवानी पे इतरा न तू, बातों बातों में मुक जायेगी,
उभरा सीना सिकुड़ जायेगा, और कमर भी यह झुक जायेगी।
टेक कर के चलेगा छड़ी, याद कर ले घड़ी दो घड़ी॥

इस बार भजन कर ले

इस बार भजन कर ले, मुक्ति का यतन करले।
छुट जाएँगे जन्म-मरण, प्रभु का सिमरण कर ले॥
यह मानुष का चोला, हर बार नहीं मिलता,
जो गिर गया डाली से, वह फूल नहीं खिलता।
मौका है यह जीवन का, गुलजार चमन कर ले॥
नर इन कानों से, सुन सन्तों की वाणी,
मन को ठहरा करके, बन जा आत्मज्ञानी।
जिह्वा न चले मुख में, अब प्रभु नाम रटन रट ले॥
मस्तानों की टोली में, ले नाम लिखा अपना,
तब आयेगी साफ नजर, है दुनिया इक सपना।
धुल जायेगी सब स्याही, उजला तन मन कर ले॥
जो सन्तों ने गाया है, मैं भी हूँ उस धुन में,
उस धुन को सुन-सुनकर, जग रमा उसी धुन में।
प्रभु के आगे अब तो, नीची गरदन कर ले॥

इतनी शक्ति हमें देना

इतनी शक्ति हमें देना दाता,
मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हम चलें नेक रास्ते पे,
हम से भूलकर भी कोई भूल हो ना।
दूर अज्ञान के हों अँधेरे,
तू हमें ज्ञान की रोशनी दे।
हर बुराई से बचते रहें हम,
जितनी भी दे भली जिन्दगी दे।
बैर हो ना किसी का किसी से,
भावना मन में बदलें की हो ना।
हमें चलें नेक रास्ते पे हम से,
भूल कर भी कोई भूल हो ना।
हम न सोचे हमें क्या मिला है,
हम ये सोचें किया क्या है अर्पण।
फूल खुशियों के बाँटे सभी को,
सबका जीवन ही बन जाए मधुवन।
अपनी करुणा का जल तू बहा के,
कर दे पावन हर एक मन का कोना।

सुखी रहे संसार सब

सुखी बसे संसार सब, दुखिया रहे न कोय।
यह अभिलाषा हम सबकी, भगवन् पूरी होय॥

विद्या-बुद्धि तेज बल, सबके भीतर होय।
दूध पूत धन-धान्य से, वंचित रहे न कोय॥
आपकी भक्ति प्रेम से, मन होवे भरपूर।
राग-द्वेष से चित्त मेरा, कोसों भागे दूर॥
मिले भरोसा आपका, हमें सदा जगदीश।
आशा तेरे धाम की, बनी रहे मम ईश॥
पाप से हमें बचाइये, करके दया दयाल।
अपना भक्त बनाकर सबको करो निहाल॥
दिल में दया उदारता, मन में प्रेम-अपार।
हृदय में धीरज वीरता, सबको दो करतार॥
नारायण तुम आप हो, पाप के मोचन हार।
क्षमा करो अपराध सब, कर दो भव से पार॥
हाथ जोड़ विनती करूँ, सुनिए कृपानिधान।
साधु-संगत सुख दीजिए, दया नम्रता दान॥

दाता तेरे सुमिरन का

दाता तेरे सुमिरन का वरदान जो मिल जाए।
मुरझाई कली दिल की, इक पल में खिल जाए॥
सुनते हैं तेरी रहमत, दिन-रात बरसती है।
एक बूँद जो मिल जाए, तकदीर बदल जाए॥
ये मन बड़ा चंचल है, चिंतन में नहीं लगता।
जितना इसे समझाऊँ, उतना ही मचल जाए॥
हे नाथ, मेरे मन की, बस इतनी तमन्ना है।
पापों से बचा लेना, पाँव न फिसल जाए॥

देवत्व के फूलों से, दामन को मेरे भर दो।
जीवन ये सुगन्धित हो, दुर्गन्ध निकल जाए॥

ऐ मानव तू दिल से, प्रभु का सिमरन कर ले।
दोषों भरे जीवन का काँटा ही निकल जाए॥

इक झोली में फूल

इक झोली में फूल पड़े हैं, इक झोली में काँटे रे,
रे कोई कारण होगा, हाँ रे कोई कारण होगा।
तेरे बस में कुछ भी नहीं, ये तो बाँटने वाला बाँटे रे॥...

पहले बनती हैं तकदीरें, फिर बनते हैं शरीर।
यह साँई की कारीगरी है, तू क्यों है गम्भीर॥...

नाग भी डस ले तो किसी को, मिल जाए जीवनदान।
चींटी से भी मिट सकता है, किसी का नामों निशान॥...

धन से बिस्तर मिल जाए, पर नींद को तरसे नैन।
काँटों पर भी सोकर आए, किसी के मन को चैन॥...

सागर से भी बुझ न पाए, कभी किसी की प्यास।
एक बूँद से भी जाए, कभी किसी की आस॥...

मन्दिर मस्जिद में भी जाकर, कभी न आए ज्ञान।
कभी मिले मिट्टी से मोती, पत्थर से भगवान्॥...

भगवान् की महिमा गाए जा

गाए जा गाए जा भगवान् की महिमा गाए जा।
शाम सुबह इस मन मंदिर में झाड़ू रोज लगाए जा।

तरह तरह के खेल हैं इसमें, दुनियाँ एक तमाशा है।
कहीं खुशी और कहीं गमी है, आशा कहीं निराशा है।
चाहे यह हँसाए तुझे, चाहे यह रुलाए,
बस अपना फर्ज निभाए जा।

चिन्ता और चिता इस जग में, एक समान कहाती हैं।
इक जिन्दे को इक मुर्दे को, दोनों सदा जलाती हैं।
दुःख जो दिखाये, वह ही दुःखड़े मिटाए।
तू चिन्ता दूर हटाए जा।

कौन हमेशा रहा जगत् में, किस का यहाँ ठिकाना है।
बाँध ले अपना बिस्तर बाबा, यह तो देश बेगाना है।
दुनियाँ सराए, कोई आए कोई जाए,
यह सब को खामोशी से समझाए जा।

सारे जहां के मालिक

सारे जहाँ के मालिक तेरा ही आसरा है,
राजी हैं हम उसी में जिसमें तेरी रजा है।
हम क्या बताएँ तुझको, सब कुछ तुझे खबर है,
हर हाल में हमारी तेरी तरफ नजर है।
किस्मत है वो हमारी, जो तेरा फैसला है॥...

हाथों को हम दुआ की खातिर में लाएँ कैसे,
सजदे में तेरे आकर सिर को झुकायें कैसे।
मजबूरियाँ हमारी, सब तू ही जानता है॥...

रोकर कटे या हँसकर कटती है जिन्दगानी,
तू गम दे या खुशी दे सब तेरी मेहरबानी।
तेरी खुशी समझकर, सब गम भुल दिया है॥...

दुनियाँ बनाके मालिक जाने कहाँ छिपा है,
आता नहीं नजर तू बस एक यही गिला है।
भेजा है इस जहाँ में जो तेरा शुक्रिया है॥...

माने न माने इन्सान

दुनियाँ बनाने वाला, दुनियाँ मिटाने वाला,
सब का है दाता भगवान्, माने न माने इनसान।
रंग रंग के फूल खिलाए सूरज और चाँद बनाए,
सागर धरती व आसमान, माने ने माने इनसान॥

आँखे न हाथ उसके, न कोई आकार देखो।
न ही औजार कोई, न कोई आधार देखो।
पतझड़ दिखलाने वाला, बादल बरसाने वाला,
सबका है दाता भगवान्, माने न माने इनसान॥

चलती न रिश्वतखोरी, उसके दरबार कोई।
अपना बेगाना उसका, न रिश्तेदार कोई।
सुनता है वह तो सबकी, कर ले पुकार कोई।
सज्जन हँसाने वाला, दुर्जन रुलाने वाला।
सबका है दाता भगवान् माने न माने इन्सान॥

निर्जन भयानक वन से, चाहो गर पार जाना।
तप और भक्ति के द्वारा, मुक्ति के द्वार जाना।
अपनी मन्जिल से पहले, हिम्मत न हार जाना।
उलझन सुलझाने वाला, मार्ग दिखालाने वाला।
सबका है दाता भगवान् माने न माने इन्सान॥

मुझे ऐसा बना दो मेरे भगवन्

मुझे ऐसा बना दो मेरे भगवन्, जीवन में लगे ठोकर न कहीं।
जाने अनजाने भी मुझ से, नुकसान किसी का हो न कहीं॥

उपकार सदा करता जाऊँ, दुनिया अपकार भले ही करे।
बदनामी न हो जग में मेरी, कोई नाम भले ही दे न कहीं॥

जो तेरा बनकर रहता है, काँटों में फूल सा खिलता है।
कितने ही काँटे पाँव चुभे, पर फूल भी हों काँटे न कहीं॥

तू ही बस मेरा ऐसा है, दुःख में भी साथ नहीं त्यागता।
दुनिया मुझे प्यार करे न करे, खोऊँ तेरा भी न प्यार कहीं॥

भगवान मेरी नैया

भगवान् मेरी नैया, उस पार लगा देना।
अब तक तो निभाया है, आगे भी निभा देना॥

दल-बल के साथ माया, घेरे जो मुझे आकर।
तो देखते न रहना, झट आके बचा लेना॥

सम्भव है झँझटों में, मैं तुम को भूल जाऊँ।
पर नाथ! कहीं तुम भी मुझको न भूला देना॥

नाम प्रभु का लिया नहीं

नाम प्रभु का लिया नहीं, धर्म का सौदा किया नहीं।
ऐसा मानव दुनियाँ में, जी करके भी जिया नहीं।
ऐसा मानव दुनियाँ में···
जो कुछ भी यह इस दुनियाँ में, देता है दिखलाई।
ईश्वर है कण कण में समाया, सब ने बात बताई।
सत्य का अमृत पिया नहीं, धर्म का सौदा किया नहीं।
ऐसा मानव दुनियाँ में···
यह धन किसके पास रहा है, किसके पास रहेगा।
पानी का तो काम है बहना, यह हर हाल बहेगा।
धन निर्धन को दिया नहीं, धर्म का सौदा किया नहीं।
ऐसा मानव दुनियाँ में···
लालच मतकर लोभ छोड़ दे, लालच बुरी बला है।
तू कर ले सन्तोष इसी में, जो तिल फूल मिला है।
फटा हुआ दिल सीया नहीं, धर्म का सौदा किया नहीं।
ऐसा मानव दुनियाँ में···

ज्ञान के दोहे

जागो रे जिन जागना, अब जागन की बार।
फिर क्या जागे नानका, जब सोये पाँव पसार॥

गुण गोविन्द गायो नहीं, जनम अकारथ कीन्ह।
कहे नानक हरि भज मना, जेहि विधि जग को मीन॥

जो प्राणी ममता तजै, लोभ मोह अहंकार।
कहे नानक ये विपद में सहाय एक रघुनाथ॥

सुख में बहु संगी भये, दुःख में संग न कोय।
कहे नानक हरिभज मना, अन्त सहाई होय॥

संग सखा सब तज गए, कोई न निभयो साथ।
कहे नानक इस विपद में, सहाय एक रघुनाथ॥

झूठे काम काहे करे, जग सुपना ज्यों जान।
इनमें कुछ तेरो नहीं, नानक कहयो बखान॥

पितु मातु सहायक स्वामी सखा

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम ही एक नाथ हमारे हो।
जिनके कुछ और आधार नहीं, तिनके तुम ही रखवारे हो॥

प्रतिपाल करो सिगरे जग को, अतिशय करुणा उर धारे हो।
भूलि हैं हम ही तुमको, तुम तो हमरी सुधि नाहिं बिसारे हो॥

उपकारन को कछु अन्त नहीं, छिन ही छिन जो विस्तारे हो।
भगवान्! महामहिमा तुम्हरी, समझै बिरले बुधवारे हो॥

शुभ शान्ति-निकेतन प्रेम-निधे, मन-मन्दिर के उजियारे हो।
इस जीवन के तुम जीवन हो, इन प्राणन के तुम प्यारे हो।
तुम सो सब पायें मुक्ति हरि; तुम सबके अवलम्ब सहारे हो॥

राम भजन कर प्राणी

राम भजन कर प्राणी, तेरी दो दिन की जिन्दगानी।
काया माया बादल छाया, मूरख मन काहे भरमाया॥
उड़ जायेगा सांस का पंछी, फिर क्या है आनी जानी।
जिनके घर में माँ नहीं है, बाबा करे ना प्यार॥
ऐसे दीन अनाथों का है, राम नाम आधार।
मुख बोल राम की बानी, मनवा बोल राम की बानी॥
सजन सनेही सुख के संगी, दुनिया की है चाल दुरंगी।
नाच रहा है काल शीश पे, चेत चेत अभिमानी॥
जिसने राम नाम गुन गाया, उसको लगे न दुःख की छाया।
निर्धन का धन राम नाम है, मैं हूँ राम दिवानी॥

रे मन! प्रति स्वाँस पुकार यही

रे मन! प्रति स्वाँस पुकार यही, जय राम हरे! घनश्याम हरे।
तन नौका का पतवार यही, जय राम हरे! घनश्याम हरे॥
जग में व्यापक आधार यही, जग में लेता अवतार यही।
है निराकार साकार यही, जय राम हरे घनश्याम हरे॥
ध्रुव को ध्रुवपद दातार यही, प्रहलाद गले का हार यही।
नारद वीणा का तार यही, जय राम हरे घनश्याम हरे॥
सब सुकृतों का आगार यही, गंगा यमुना की धार यही।
श्री रामेश्वर हरिद्वार यही, जय राम हरे घनश्याम हरे॥
सज्जन का साहूकार यही, प्रेमी जन का व्यापार यही।
सुख 'बिन्दु' सुधा का सार यही, जय राम हरे घनश्याम हरे॥

बोल हरि बोल हरि

बोल हरि बोल हरि, केशव माधव गोविंद बोल।
नाम प्रभु का है सुखकारी, पाप कटेंगे क्षण में भारी॥
नाम का पीले अमृत घोल, केशव माधव गोविंद बोल।
शबरी अहिल्या सदन कसाई, नाम जपन से मुक्ति पाई॥
नाम की महिमा है बेतोल, केशव माधव गोविंद बोल।
सुवा पढ़ावत गणिका तारी, बड़े-बड़े निशिचर संहारी॥
गिन-गिन पापी तारे तोल, केशव माधव गोविंद बोल।
नरसी भगत की हुण्डी सिकारी, बन गयो साँवलशाह बनवारी॥
कुण्डी अपने मन की खोल, केशव माधव गोविंद बोल।
जो-जो शरण पड़े प्रभु तारे, भव सागर से पार उतारे॥
बन्दे तेरा क्या लगता है मोल, केशव माधव गोविंद बोल।
राम नाम के सब अधिकारी, बोल वृद्ध युवा नरनारी॥
हरि जप इत उत कबहुं न डोल, केशव माधव गोविंद बोल।
चक्रधारी भज हर गोविंदम्, मुक्तिदायक परमानन्दम्॥
हरदम कृष्ण मुरारी बोल, केशव माधव गोविंद बोल।
रट ले मन! तू आठों याम, राम नाम में लगे न दाम॥
जन्म गंवाता क्यों अनमोल, केशव माधव गोविंद बोल।
अर्जुन का रथ आप चलाया, गीता कहकर ज्ञान सुनाया॥
बोल, बोल, हित-चित से बोल, केशव माधव गोविंद बोल।

जग में सुन्दर हैं दो नाम

जग में सुन्दर हैं दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम।
एक हृदय में प्रेम बढ़ावै, एक ताप सन्ताप मिटावै॥
दोनों सुख के सागर हैं, दोनों पूरण काम।
माखन ब्रज में एक चुरावै, एक बेर भिलनी के खावै॥
प्रेम भाव के भरे अनोखे, दोनों के हैं काम।
एक पापी कंस संहारे, एक दुष्ट रावण को मारे॥
दोनू दीन के दुख हरता हैं, दोनों बल के धाम।
एक राधिका के संग राजे, एक जानकी संग बिराजे॥
चाहे सीताराम कहो, चाहे राधेश्याम।
दोनों हैं घट-घट के वासी, दोनों हैं आनन्द प्रकाशी॥
राम श्याम के दिव्य भजन से, मिलता है विश्राम।

इतना तो करना स्वामी

इतना तो करना स्वामी जब प्राण तन से निकले।
गोविंद नाम लेकर, फिर प्राण तन से निकले॥
श्री गंगाजी का तट जो, यमुना का बंसी-बट हो।
मेरा साँवरा निकट हो, जब प्राण तन से निकले॥
श्री वृन्दावन का स्थल हो, मेरे मुख में तुलसी-दल हो।
विष्णु-चरण का जल हो, जब प्राण तन से निकले॥
सन्मुख साँवरा खड़ा हो, मुरली का स्वर भरा हो।
तिरछा चरण धरा हो, जब प्राण तन से निकले॥

सिर सोहना मुकुट हो, मुखड़े पै काली लट हो।
यही ध्यान मेरे घट हो, जब प्राण तन से निकले॥
केसर तिलक हो आला, मुख चन्द्र सा उजाला।
डालूं गलें में माला, जब प्राण तन से निकले॥
कानों जड़ाऊँ बाली, लटकी लटें हों काली।
देखूं छटा निराली, जब प्राण तन से निकले॥
पीताम्बरी कसी हो, होठों पै कुछ हँसी हो।
छवि यह ही मन बसी हो, जब प्राण तन से निकले॥
पचरंगी काछनी हो, पट-पीत से तनी हो।
मेरी बात सब बनी हो, जब प्राण तन से निकले॥
पग धो तृष्णा मिटाऊँ, तुलसी का पत्र पाऊँ।
सिर चरण रज लगाऊँ, जब प्राण तन से निकले॥
आना अवश्य आना, राधे को साथ लाना।
दर्शन मुझे दिखाना, जब प्राण तन से निकले॥
जब कण्ठ प्राण आवे, कोई रोग ना सतावे।
यम दरश ना दिखावे, जब प्राण तन से निकले॥
मेरा प्राण निकले सुख से, तेरा नाम निकले मुख से।
बच जाऊँ घोर दुःख से, जब प्राण तन से निकले॥
उस वक्त जल्दी आना, नहीं श्याम भूल जाना।
मुरली की धुन सुनाना, जब प्राण तन से निकले॥
सुधि होवे नाहिं तन की, तैयारी हो गमन की।
लकड़ी हो ब्रज-वन की, जब प्राण तन से निकले॥
यह नेक सी अरज है, मानो तो क्या हरज है।
कुछ आपका फरज है, जब प्राण तन से निकले॥

मिलता है सच्चा सुख केवल

मिलता है सच्चा सुख केवल भगवान तुम्हारे चरणों में।
यह विनती है पल छिन-छिन की, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में॥
चाहे बैरी अब संसार बने, चाहे जीवन मुझ पर भार बने।
चाहे मौत गले का हार बने, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में॥
चाहे अग्नि में मुझे जलना हो, चाहे काँटों पे मुझे चलना हो।
चाहे छोड़ के देश निकलना हो, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में॥
चाहे संकट ने मुझे घेरा हो, चाहे चारों ओर अंधेरा हो।
पर मन नहीं डगमग मेरा हो, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में॥
जिह्वा पर तेरा नाम रहे, तेरा ध्यान सुबह और शाम रहे।
तेरी याद तो आठों याम रहें, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में॥